website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 73 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 22 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत-ब्राजील के बीच ट्रेड डील पर हस्ताक्षर, PM मोदी ने कहा- 'आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश साथ...'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्राजील के रिश्तों में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारत-ब्राजील के बीच ट्रेड डील पर हस्ताक्षर हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में ऐसे अहम मुद्दों पर सहमति बनी है, जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लूला और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए कहा, "मुझे प्रेसिडेंट लूला और उनके डेलीगेशन का भारत में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उनके विजन और प्रेरणादायक नेतृत्व से भारत-ब्राजील संबंधों को लंबे समय से लाभ मिला है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों नेताओं के बीच कई मुलाकातें हुई हैं और हर बार भारत के प्रति राष्ट्रपति लूला की गहरी मित्रता और विश्वास स्पष्ट रूप से महसूस हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति लूला का यह दौरा ऐतिहासिक AI इम्पैक्ट समिट को भी नई ऊर्जा देता है

और दोनों देशों की स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों देश एकजुट हैं और इस मुद्दे पर वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाया जाएगा।

व्यापार को 20 अरब डॉलर से आगे ले जाने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि ब्राजील, लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों देश अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, "हमारा व्यापार सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, यह आपसी भरोसे की झलक है। राष्ट्रपति लूला के साथ आया बड़ा बिजनेस डेलीगेशन इसी भरोसे को दिखाता है।"

टेक्नोलॉजी और ग्लोबल साउथ पर फोकस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में सहयोग केवल भारत और ब्राजील के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण है। AI, डिजिटल टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप इकोसिस्टम में साझेदारी से विकासशील देशों को भी नई दिशा मिल सकती है। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में सहयोग, संवाद और साझा विकास ही भविष्य का रास्ता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सीएम जनसुनवाई' ऐप किया लॉन्च, 15 दिन में होगा समाधान

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानीवासियों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल' और मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। सरकार का दावा है कि अब लोगों को अपनी शिकायतों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नागरिक घर बैठे मोबाइल फोन के जरिए शिकायत दर्ज कर सकेंगे और उसकी स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन देख सकेंगे। इस पोर्टल के माध्यम से ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी। साथ ही ईडब्ल्यूएस, डीजी और सीडब्ल्यूएसएन श्रेणियों से संबंधित समस्याएं भी ऑनलाइन दर्ज कराने की सुविधा दी गई है। दिल्ली सरकार की लगभग 75 सेवाओं को इस प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है, जिससे अधिकतर सरकारी सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। जिन लोगों के पास इंटरनेट या स्मार्टफोन नहीं है, वे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के जरिए भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। शिकायतकर्ता को मोबाइल पर नियमित अपडेट

मिलता रहेगा। यदि किसी स्तर पर देरी होती है तो उसकी निगरानी भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। हर शिकायत ऑनलाइन दर्ज होने से उसकी ट्रैकिंग आसान होगी और लंबित मामलों की जानकारी भी सिस्टम में उपलब्ध रहेगी। उन्होंने इसे डिजिटल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर मायावती की पहली प्रतिक्रिया, जानें- BSP चीफ ने क्या कहा?

नई दिल्ली । दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इंपेक्ट समिट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न होकर प्रदर्शन को अशोभनीय बताया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समिट के दौरान ऐसा आचरण करना चिंता की बात है।

यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर मायावती की प्रतिक्रिया

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा- 'नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट', जिसमें देश व विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे तथा यह इवेंट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में था, इस दौरान जिन भी लोगों द्वारा अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताये जा रहे हैं, वह अति-अशोभनीय व निन्दनीय है। अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, किन्तु समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिंता की बात है अर्थात अपने देश की गरिमा व इमेज को न बिगाड़ा जाये तो यह उचित होगा।'

एआई समिट में किया था प्रोटेस्ट

बता दें कि शुक्रवार 20 फरवरी को दिल्ली में एआई समिट 2026 के दौरान यूथ कांग्रेस के 8-10 कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम परिसर में घुसकर भारत-अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतार कर परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की और 'पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए। इस घटना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया था। जिसके बाद वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया और तुरंत उन्हें इवेंट से दूर ले जाया गया। इस घटना को लेकर सियासत भी गरम हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला किया। बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि वो एंटी नेशनल पार्टी है। जहां दुनिया भर में एआई समिट की तारीफ हो रही है वहीं राहुल गांधी की कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। बीजेपी आज देशभर में इसके विरोध में प्रदर्शन भी कर रही है।

राजस्थान विधानसभा में 2 साल बनाम 5 साल की बहस पर हंगामा

जयपुर। 21 फरवरी को राजस्थान विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच 2 साल बनाम 5 साल के कामकाज पर चर्चा को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में तय चर्चा के दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने केवल मौजूदा सरकार के दो साल की उपलब्धियों पर प्रस्ताव रखा, जिस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने 2 साल बनाम 5 साल पर बहस की मांग की। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को खुली बहस की चुनौती दी। वहीं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने कहा कि विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। मामला अब अगले सत्र में फिर गरमाने की संभावना है।

'कांग्रेस का चरित्र देश को कर रहा शर्मसार...', एआई समिट में हंगामे पर बरसे किरेन रिजिजू, राहुल को बताया नासमझ

नई दिल्ली। एआई समिट में हुए हंगामे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष का आचरण देश को शर्मसार कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने न सिर्फ अपराध किया है, बल्कि देश के खिलाफ अपराध किया है और उसे इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। रिजिजू ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए उन्हें 'नासमझ' करार दिया।

'कांग्रेस का चरित्र देश को कर रहा शर्मसार' - रिजिजू

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एआई समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया है। उनके मुताबिक, इस तरह की घटनाएं देश को बदनाम करती हैं और वैश्विक स्तर पर गलत संदेश देती हैं। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस इस घटना को सही ठहराने की कोशिश कर रही है, जो और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इसे 'नंगा नाच' बताते हुए कहा कि विपक्ष को अपने व्यवहार पर आत्ममंथन करना चाहिए।

'सरकार की नीतियों पर बोलें, देश के खिलाफ नहीं'

रिजिजू ने कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन देश के खिलाफ प्रदर्शन करना या अंतरराष्ट्रीय मंच पर हंगामा करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की नीतियों का विरोध करने के बजाय देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की राजनीति कर रही है।

'चुनावी हार से हताश है कांग्रेस'

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस चुनावों में लगातार हार का सामना कर रही है और इसी हताशा में इस तरह के कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जनता बार-बार कांग्रेस को नकार रही है, जिसके कारण पार्टी बौखलाई हुई है।

राहुल गांधी पर सीधा हमला

रिजिजू ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे विदेश जाकर भारत के खिलाफ बयान देते हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा और विश्व कल्याण के लिए काम कर रहे हैं, जबकि विपक्ष गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी में लगा है।

फिर सरेंडर कर देंगे पीएम मोदी, टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आयात शुल्क संबंधी फैसला पलटे जाने के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए शनिवार को कहा कि वह एक बार फिर अमेरिका के सामने समर्पण करेंगे। गांधी ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में मोदी की स्थिति कमजोर हुई है। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री ने देशहित से समझौता किया है। उनका विश्वासघात अब सबके सामने है।" गांधी ने कहा कि मोदी अब समझौते की शर्तों पर पुनः बातचीत नहीं कर सकते। वह एक बार फिर समर्पण करेंगे। गौरतलब है कि Supreme Court of the United States ने विभिन्न देशों पर भारी आयात शुल्क लागू करने के ट्रंप के फैसले को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि यह शक्ति सिर्फ अमेरिकी संसद, यानी United States Congress, के पास है। गांधी की यह टिप्पणी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। Indian National Congress ने बार-बार इस समझौते

के समय, पारदर्शिता और शर्तों को लेकर चिंता जताई है। उसकी चिंता खासकर भारतीय किसानों और छोटे व्यवसायियों पर इसके संभावित असर को लेकर है।

कांग्रेस ने की ट्रेड डील स्थगित करने की मांग

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अब अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को स्थगित कर दिया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो टूक कहना चाहिए कि अमेरिकी पक्ष से स्पष्टीकरण आने तक भारत की तरफ से आयात उदारीकरण नहीं होगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार को इस समझौते पर अमेरिका के साथ फिर से बातचीत करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के लाखों किसानों की आजीविका पर नकारात्मक असर नहीं हो। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक 'टैरिफ' को खारिज कर दिया, जिससे उन्हें उनके आर्थिक एजेंडे के मुद्दे पर बड़ा झटका लगा है। जजों ने बहुमत से कहा कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से अमेरिकी कांग्रेस को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें 'टैरिफ' भी शामिल है।

रमेश ने कहा, "अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद इस अंतरिम समझौते को स्थगित कर दिया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अमेरिका की तरफ से स्पष्टीकरण आने तक हम आयात उदारीकरण नहीं करेंगे।" रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री, वाणिज्य मंत्री और सरकार को दिसंबर से जानकारी थी कि इस मामले में अमेरिकी उच्चतम न्यायालय का निर्णय आने वाला है और हो सकता है कि निर्णय ट्रंप के खिलाफ आ सकता है। फिर ट्रंप पर दबाव क्यों डाला गया कि समझौते की घोषणा की जाए?" उन्होंने कहा, "ट्रंप ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय का भारत-अमेरिका समझौते पर कोई असर नहीं होगा। क्या प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप के इस बयान से सहमत हैं?"

सिख गुरुओं पर टिप्पणी विवाद:

पंजाब सरकार का दिल्ली विधानसभा सचिवालय को पत्र

नई दिल्ली । सिख गुरुओं को लेकर कथित टिप्पणी से जुड़े विवाद में पंजाब की भगवंत मान सरकार ने दिल्ली विधानसभा सचिवालय को पत्र भेजकर अपना रुख स्पष्ट किया है। गृह विभाग की ओर से भेजे गए इस पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप को विधानसभा की आधिकारिक कार्यवाही नहीं माना जा सकता। सरकार ने स्पष्ट किया कि कटी-छंटी, बदली हुई या कैप्शन जोड़कर साझा किए गए वीडियो न तो सदन का रिकॉर्ड हैं और न ही अधिकृत प्रकाशन सामग्री। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन (सब-ज्यूडिस) है। ऐसे में शिकायत, तकनीकी रिपोर्ट और फॉरेंसिक रिपोर्ट जैसी जांच से संबंधित दस्तावेज साझा करना संभव नहीं है। हालांकि स्पीकर की जानकारी के लिए एफआईआर की प्रति भेजी गई है। पंजाब के एडवोकेट जनरल की कानूनी राय का हवाला देते हुए कहा गया कि सदन के बाहर तैयार या संपादित वीडियो पर विधानसभा विशेषाधिकार लागू नहीं होता। सदन के बाहर किए गए कृत्यों पर आपराधिक कानून से छूट नहीं मिलती और यदि किसी अन्य राज्य में संज्ञेय अपराध के तहत एफआईआर दर्ज हुई है तो उसे विशेषाधिकार हनन नहीं माना जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी अन्य राज्य में दर्ज एफआईआर से जुड़े दस्तावेज मांगने का अधिकार विधानसभा सचिवालय के पास नहीं है। पंजाब सरकार ने दिल्ली विधानसभा से आग्रह किया है कि मौजूदा कानूनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित कार्रवाई पर पुनर्विचार किया जाए और मामले को बंद किया जाए। सरकार का साफ संदेश है कि सोशल मीडिया पर वायरल बदला हुआ वीडियो सदन का आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है और कानून अपना काम करेगा।

अखिलेश यादव की मिशन 2027 को लेकर गोपनीय रणनीति, इन नेताओं का लेखा-जोखा बना रही सपा

यूपी। उत्तर प्रदेश में मिशन 2027 को लेकर सियासी सरगर्मियां अभी से तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुट गए हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इसी क्रम में एक गोपनीय तैयारी शुरू की है, जिसके तहत एक ख़ास लिस्ट तैयार करवाई जा रही है। जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों का लेखा-जोखा बनाया जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक ऐसी लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं, जिनमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल करने को कहा गया है जो अक्सर पार्टी दफ्तर में घूमते या टहलते दिखाई देते हैं और अपना ज़्यादातर समय सपा ऑफिस में चक्कर काटने या फिर केवल चेहरा चमकाने में लगे रहते हैं, बजाय इसके कि वे जमीनी स्तर पर सपा को मजबूत करने का

काम करें।

सपा अध्यक्ष ने बनवाई गोपनीय लिस्ट

सपा ने ऐसे नेताओं का एक पूरा लेखा-जोखा तैयार किया है, जिसमें इन नेताओं की फोटो और फोन नंबर के साथ यह जानकारी भी दर्ज की गई है कि कौन सा कार्यकर्ता कितनी बार पार्टी के दफ्तर में आया, उसने कितनी बार हाथ मिलाया और वह जमीनी स्तर पर किस तरह काम कर रहा है। ताकि आगामी चुनाव में ऐसे नेता को ही टिकट मिल सके जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहा है।

ऐसे नेताओं का टिकट की दावेदारी से कटेगा पत्ता

सपा की इस रणनीति को 'गणेश परिक्रमा' रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष साफ तौर पर इस डेटा के आधार पर 'फील्ड और ऑफिस' के अंतर को समझना चाहते हैं। ताकि चुनाव में किसी ऐसे नेता को टिकट न मिले जो सिर्फ पार्टी के मुखिया के सामने चेहरा चमकाने के लिए दफ्तर में ही घूम रहा हो। इस लिस्ट के जरिए ऐसे नेताओं की छंटनी कर दी जाएगी, जो अपना समय बेवजह के कामों में बिता रहे हैं। जिससे साफ है कि अखिलेश यादव इस बार उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं। चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबका साथ से ज्यादा सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं।

एआई समिट में हंगामा: कांग्रेस प्रदर्शनकारियों को झटका, 5 दिन की पुलिस रिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान विरोध प्रदर्शन और हंगामा करने के आरोप में भारतीय युवा कांग्रेस के चार नेताओं को पटियाला हाउस कोर्ट ने पांच दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। पुलिस का आरोप है कि इन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने राष्ट्रविरोधी नारे लगाए। अदालत ने गहरी साजिश की जांच और फरार साथियों की तलाश के लिए पुलिस हिरासत को जरूरी मानते हुए आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

मांगी थी 5 दिन की हिरासत

गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों में बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार से प्रदेश सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश से प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिम्हा यादव शामिल हैं। इन सभी को शनिवार को पटियाला हाउस अदालत में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की पांच दिन की हिरासत मांगी और कहा कि इन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी में राष्ट्रविरोधी नारे लगाए।

आरोपियों की क्या दलील?

आरोपियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपत्तिजनक तस्वीरों वाली टी-शर्ट पहन रखी थी। बचाव

पक्ष के वकील ने दलील दी कि वे एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं और उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया है। वकील का कहना था कि किसी भी वीडियो में हिंसा नहीं दिखती और उन्हें केवल विपक्षी दल से जुड़े होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

5 दिन की हिरासत क्यों जरूरी?

बचाव पक्ष ने आरोप लगाया कि युवा प्रदर्शनकारियों की बेरहमी से पिटाई की गई। वहीं पुलिस ने गहरी साजिश का हवाला दिया। अदालत ने जांच अधिकारी से पूछा कि हिरासत क्यों जरूरी है। जांच अधिकारी ने बताया कि मामले में अन्य आरोपी फरार हैं और साजिश के पहलुओं की जांच के लिए पूछताछ आवश्यक है।

5 दिन की पुलिस रिमांड

दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि फरार आरोपियों तक पहुंचने और साजिश की कड़ियों को जोड़ने के लिए हिरासत जरूरी है। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद चारों कार्यकर्ताओं को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

नीतीश ने दो लाख किसानों के खाते में ट्रांसफर किए 113 करोड़ रुपये

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को फसल क्षति से प्रभावित 2 लाख से ज्यादा किसानों के खाते में 113 करोड़ रुपये भेजे। किसानों को बाढ़ और मोथा तूफान के चलते हुए नुकसान का मुआवजा दिया गया है। पटना के एक, अणे मार्ग स्थित संकल्प सभागार से सीएम ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए यह राशि सीधे प्रभावित किसानों के बैंक खाते में भेजी। दरअसल, साल 2025 में भारी वर्षा से उत्पन्न बाढ़ एवं मोथा तूफान से बिहार के 13 जिलों यथा बेगूसराय, भोजपुर, दरभंगा, गयाजी, कैमूर, किशनगंज, मधेपुरा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी एवं सुपौल में काफी फसल खराब हुई थी। इन जिलों के 53 प्रखंड और 493 पंचायत के किसान प्रभावित हुए थे। इसके लिए सरकार द्वारा कृषि इनपुट अनुदान योजना के तहत प्रभावित किसानों को फसल क्षतिपूर्ति अनुदान दिया जा रहा है। कृषि विभाग ने सभी प्रभावित जिलों के किसानों से ऑनलाइन आवेदन लिए थे। इसके बाद जिला स्तर पर उनका सत्यापन किया गया। शनिवार को 2 लाख 2 हजार किसानों को 113 करोड़ 16 लाख रुपये सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित किए गए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

घमुड़वाली थाना क्षेत्र में बढ़ता नशा: कब जागेगा प्रशासन?

घमुड़वाली थाना क्षेत्र में पिछले दो महीनों के भीतर नशे के मामलों में लगभग 90 प्रतिशत की वृद्धि केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। गली-गली खुलेआम बिकते नशीले पदार्थ यह संकेत दे रहे हैं कि कहीं न कहीं कानून-व्यवस्था की पकड़ ढीली पड़ी है। जब अपराधी बेखौफ हों और आम नागरिक भयभीत, तो समझ लेना चाहिए कि स्थिति सामान्य नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीते दो माह में नशे के खिलाफ कोई प्रभावी और ठोस कार्रवाई नहीं हुई। न बड़े स्तर पर छापेमारी, न ही तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने की कोई संगठित कोशिश। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी से विमुख होने जैसा है। पुलिस और प्रशासन की निष्क्रियता अपराधियों के हौसले को बढ़ाती है और समाज के विश्वास को कमजोर करती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नशे का जाल युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र यदि इसकी चपेट में आ रहे हैं, तो यह आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर सीधा प्रहार है। परिवारों की चिंता स्वाभाविक है—क्योंकि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को तोड़ता है। अपराध, स्वास्थ्य समस्याएं और सामाजिक विघटन—ये सब इसके दुष्परिणाम हैं। अब समय केवल आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई का है। प्रशासन को चाहिए कि क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, खुफिया तंत्र को सक्रिय किया जाए और बड़े स्तर पर अभियान चलाकर नशा तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। साथ ही, केवल दमनात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। जनजागरूकता अभियान, स्कूल-कॉलेजों में संवाद कार्यक्रम, अभिभावकों की सहभागिता और सामाजिक संगठनों का सहयोग—इन सबको मिलाकर ही स्थायी समाधान निकलेगा। समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। यदि नागरिक संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने में संकोच करेंगे या सामाजिक दबाव के कारण चुप रहेंगे, तो समस्या और गहराएगी। सामूहिक प्रयास ही इस चुनौती का सामना कर सकते हैं। नशे का बढ़ता प्रकोप केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। प्रशासन की सख्ती, समाज की सजगता और युवाओं की जागरूकता—इन तीनों के समन्वय से ही घमुड़वाली को नशामुक्त बनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकते हैं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार तंत्र कितनी तत्परता से इस चुनौती का सामना करता है।

श्रीगंगानगर से पत्रकार विनोद सोखल

तिरंगे की संवैधानियत

भारत एक उत्सवधर्मी मुल्क है। यहां मौसम बदलते हैं तो त्यौहार बदल जाते हैं, कैलेंडर पलटता है तो किसी न किसी मजहबी, सांस्कृतिक, क्षेत्रीय या राष्ट्रीय पर्व की दस्तक सुनाई देने लगती है। गांव की चौपाल से लेकर महानगरों की रोशन सड़कों तक, मंदिरों की घंटियों से लेकर मस्जिदों की अज़ानों तक, गुरुद्वारों के कीर्तन से लेकर गिरजाघरों की प्रार्थनाओं तक—हर तरफ जश्न की एक रौनक बिखरी रहती है। मगर इसी रौनक के बीच एक सवाल बार-बार सिर उठाता है कि क्या राष्ट्रीय पर्व भी हमारे दिलों में उतनी ही शिद्दत से जगह बना पाए हैं, जितनी हमारे धार्मिक उत्सवों ने बना रखी है? क्या तिरंगा केवल एक रस्मी परचम बनकर रह गया है, जिसे खास दिनों में फहराया जाए और फिर तह करके अलमारी में रख दिया जाए?

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी मुल्क की आज़ादी, अस्मिता और सामूहिक चेतना का सबसे बड़ा प्रतीक होता है। भारत के लिए तिरंगा केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि एक लंबी और कठिन आज़ादी की जद्दोजहद का निचोड़ है। सैकड़ों साल की गुलामी, संघर्ष, सत्याग्रह और कुर्बानियों के बाद जब अंग्रेज़ी हुकूमत ने भारत छोड़ा, तब 15 अगस्त 1947 को जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा फहराकर नए भारत के उदय की घोषणा की थी। वह क्षण केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि एक आत्मा के पुनर्जन्म का था। उस समय तिरंगा लाखों-करोड़ों भारतीयों की आंखों में सपनों की तरह लहराया था।

आजादी से कुछ महीने पहले, 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा में जब तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने का प्रस्ताव रखा गया, तब नेहरू ने उसकी ऐतिहासिक और भावी व्याख्या की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि तिरंगे के तीनों रंग किसी एक मजहब के प्रतीक नहीं हैं। यह पूरे भारत की जनता का झंडा है। उसके बीच में चरखे की जगह अशोक चक्र को इसलिए अपनाया गया क्योंकि सम्राट अशोक का काल भारतीय इतिहास का एक अंतरराष्ट्रीय और नैतिक उत्कर्ष का काल था। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने बाद में इन रंगों की व्याख्या करते हुए कहा कि केसरिया त्याग और साहस का प्रतीक है, सफेद सत्य और शांति का, और हरा भारत की धरती, उसकी वनस्पतियों और जीवन का द्योतक है। अशोक चक्र गति और धर्म के शाश्वत नियम का संकेत देता है।

संविधान सभा में तिरंगे को लेकर जो बहसें हुईं, वे केवल रंगों की व्याख्या तक सीमित नहीं थीं। वे इस बात का प्रतीक थीं कि भारत अपनी विविधता को एक सूत्र में पिरोना चाहता है।

सेठ गोविन्ददास ने याद दिलाया कि 1922 में जबलपुर में जो तिरंगा फहराया गया था, उसका रंग लाल, सफेद और हरा था, लेकिन वह किसी एक धर्म का नहीं था। 1857 के संग्राम में भी जो झंडा लहराया गया, वह केवल मुसलमानों या हिन्दओं का नहीं, बल्कि हर स्वतंत्रता सेनानी का था। मौलवी सैयद मोहम्मद सादुल्ला ने कहा कि केसरिया रंग केवल हिन्दओं का नहीं, मुसलमानों के इतिहास में भी उसका स्थान है। साधु-संत हों या पीर-फकीर, त्याग और अध्यात्म का रंग एक ही रहा है।

सबसे मार्मिक भाषण सरोजिनी नायडू का था। उन्होंने भावुक स्वर में पूछा कि क्या इस्लाम ने भारत में भाईचारे का संदेश नहीं दिया? क्या पारसी समुदाय ईरान से साहस और मेहनत की विरासत लेकर नहीं आया?

क्या ईसाइयों ने सेवा की मिसाल कायम नहीं की? क्या सनातन हिन्द धर्म ने प्रेम और सहिष्णुता का पाठ नहीं पढ़ाया? उनके शब्दों में तिरंगा केवल एक राजनीतिक प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की साझा विरासत का जीवंत दस्तावेज़ था।

लेकिन आज जब हम अमृतकाल, विकास, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व की बातें करते हैं, तब तिरंगे के अर्थ को लेकर कई तरह के सवाल भी उठते हैं। सरकारें जब आदेश जारी करती हैं कि हर घर तिरंगा फहराए, तब यह पहल उत्साह भी जगाती है और संशय भी। उत्साह इसलिए कि राष्ट्रीय ध्वज हर घर तक पहुंचे। संशय इसलिए कि क्या राष्ट्रभक्ति आदेश से पैदा की जा सकती है? क्या राष्ट्रीयता की भावना इंजेक्शन या बूस्टर डोज़ की तरह शरीर में डाली जा सकती है?

तिरंगे के निर्माण को लेकर भी समय-समय पर विवाद उठते रहे हैं। कभी खादी और हाथ से बुने कपड़े की पवित्रता का सवाल उठा, तो कभी पोलिएस्टर से बने झंडों पर बहस हुई। गांधीजी के चरखे का जो प्रतीक पहले ध्वज पर था, वह स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतीक था। बाद में अशोक चक्र आया, जो गति और धर्म का संकेत देता है। मगर सवाल यह है कि क्या हम उन मूल्यों को अपने आचरण में उतार पाए हैं? क्या त्याग, सत्य, शांति और हरियाली हमारे सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन पाए हैं?

आज राष्ट्रीय पर्वों पर सरकारी कार्यक्रम होते हैं, स्कूलों में परेड होती है, भाषण दिए जाते हैं, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। मगर आम जनजीवन में वह स्वतःस्फूर्त उफान कम ही दिखाई देता है जो धार्मिक जुलूसों या यात्राओं में दिखता है। "इस्लाम खतरे में है" या "हनुमान चालीसा का पाठ करना है" जैसे नारों पर हजारों लोग सड़कों पर उतर आते हैं, लेकिन गणतंत्र दिवस या स्वतंत्रता दिवस के जश्न में उतनी भीड़ कम ही दिखाई देती है। क्या इसका मतलब यह है कि हमारी राजनीतिक राष्ट्रीयता अभी अधूरी है? क्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने नागरिक राष्ट्रवाद पर बढ़त बना ली है?

तिरंगा हमें बार-बार याद दिलाता है कि हम केवल एक जाति, एक धर्म या एक भाषा के लोग नहीं हैं। हम विविधताओं से भरा हुआ एक विशाल समाज हैं। हमारे भीतर मतभेद हो सकते हैं, मगर ध्वज हमें एक साझा पहचान देता है। वह कहता है कि जब तक हम एक-दूसरे के अधिकारों का सम्मान करेंगे, तब तक यह परचम ऊंचा रहेगा। जब हम नफरत, हिंसा और भेदभाव में उलझ जाते हैं, तब तिरंगे की आत्मा आहत होती है।

सरहदों पर जब सैनिक जान की बाजी लगाते हैं, तब तिरंगा उनके कंधों पर लहराता है। वह केवल कपड़ा नहीं, बल्कि उस शपथ का प्रतीक है जो उन्होंने देश की रक्षा के लिए ली है। शहीदों के ताबूत पर जब तिरंगा ओढ़ाया जाता है, तब वह मातम और गौरव दोनों का प्रतीक बन जाता है। उस क्षण पूरा देश एक साथ सिर झुकाता है। मगर क्या हम शहीदों की कुर्बानी को केवल भावनात्मक क्षण तक सीमित रखते हैं, या उसे अपने नागरिक कर्तव्यों में भी ढालते हैं?

तिरंगा बेरोजगार नौजवानों की उम्मीदों का भी प्रतीक है। वह उन किसानों के पसीने का भी प्रतीक है जो खेतों में हरियाली उगाते हैं। वह उन मजदूरों के हाथों की मेहनत का भी प्रतीक है जो शहरों को खड़ा करते हैं। अगर समाज में असमानता, अन्याय और भ्रष्टाचार बढ़ता है, तो तिरंगे के अर्थ कमजोर पड़ते हैं। अगर लोकतंत्र केवल चुनावी जंग बनकर रह जाए और जनहित पीछे छूट जाए, तो ध्वज की गरिमा पर सवाल उठते हैं।

राजनीति जब तिरंगे को अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करती है, तब भी चिंता पैदा होती है। कभी उसे रैलियों की शोभा बना दिया जाता है, कभी सत्ता की कुर्सी बचाने का औजार। मगर तिरंगा किसी पार्टी का नहीं, पूरे देश का है। वह किसी विचारधारा का बंधक नहीं हो सकता। उसकी संवैधानिकता इसी में है कि वह संविधान की आत्मा से जुड़ा है—न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों से।

संविधान हमें नागरिक अधिकार देता है, मगर साथ ही कर्तव्य भी याद दिलाता है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना केवल रस्म नहीं, बल्कि उस विचार का सम्मान है जिसके लिए लाखों लोगों ने कुर्बानी दी। अगर हम तिरंगे को केवल उत्सव की वस्तु बना दें और उसके मूल्यों को भुला दें, तो वह केवल एक प्रतीक बनकर रह जाएगा। मगर अगर हम उसके संदेश को अपने जीवन में उतार लें—त्याग, सत्य, शांति, समरसता और निरंतर प्रगति—तो वह जीवंत शक्ति बन जाएगा।

तिरंगा हमसे पूछता है कि क्या हम केवल हवा में उसे लहराकर संतुष्ट हो जाएंगे? क्या हम उसके रंगों को अपने व्यवहार में ढालेंगे? क्या केसरिया हमें निजी स्वार्थ से ऊपर उठने की प्रेरणा देगा? क्या सफेद हमें पारदर्शिता और ईमानदारी की राह दिखाएगा? क्या हरा हमें प्रकृति और जीवन के प्रति जिम्मेदार बनाएगा? और क्या अशोक चक्र हमें निरंतर आगे बढ़ने का संदेश देगा?

जब तक तिरंगा हमारी मजबूती, हमारी मुट्ठियों की पकड़ और हमारे दिलों की धड़कन से जुड़ा रहेगा, तब तक उसकी संवैधानिकता सुरक्षित रहेगी। वह केवल पोलिएस्टर, खादी या रेशम का सवाल नहीं है। वह उस विश्वास का सवाल है जो एक गरीब किसान, एक सैनिक, एक छात्र, एक मजदूर, एक महिला और एक बुजुर्ग अपने देश के प्रति रखता है। अगर वह विश्वास टूटता है, तो ध्वज की आत्मा भी घायल होती है।

भारत का तिरंगा दुनिया के अन्य परचमों की तरह केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक अधूरा सपना भी है—एक ऐसे समाज का सपना जहां न्याय सबको मिले, जहां अवसर समान हों, जहां नफरत की जगह मोहब्बत हो, जहां सत्ता सेवा का माध्यम बने। जब तक यह सपना पूरा नहीं होता, तिरंगा हमें पुकारता रहेगा। वह आसमान में लहराते हुए पूछता रहेगा कि क्या हम उसकी गरिमा के योग्य हैं।

इसलिए तिरंगे की संवैधानिकता केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि नागरिकों के आचरण में बसती है। जब तक हम इंसानियत, भाईचारे और न्याय के मूल्यों को थामे रहेंगे, तब तक तिरंगा केवल झंडा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक आत्मा का परचम बना रहेगा। और जिस दिन हम उसे केवल रस्म या राजनीति का औजार बना देंगे, उस दिन उसकी उड़ान भले जारी रहे, मगर उसका अर्थ खो जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस:

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की सांस्कृतिक आत्मा का जश्न है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारी स्मृतियों और हमारी परंपराओं की संरक्षक है। वर्ष 1999 में UNESCO ने इस दिवस की घोषणा की थी और वर्ष 2000 से इसे विश्वभर में मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ—रजत जयंती—का प्रतीक है। इस वर्ष की थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़" इस बात का संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा तय करने में युवा पीढ़ी की भूमिका निर्णायक होगी। इस दिवस का ऐतिहासिक आधार 21 फरवरी 1952 की उस घटना से जुड़ा है जब तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में बांग्ला भाषा को राजभाषा का दर्जा देने की मांग को लेकर छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में कई युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों, अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और सम्मान की बुनियाद है। मातृभाषा वह भाषा है जिसे सीखने के लिए किसी औपचारिक कक्षा की आवश्यकता नहीं होती। जन्म के बाद शिशु अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और स्नेहिल संवादों से भाषा के संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, भावनाओं और रचनात्मकता का आधार बनती है। शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा यदि मातृभाषा में हो, तो बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे घर में बोलते या समझते हैं। यह स्थिति शिक्षा की गुणवत्ता और समान अवसरों पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

डिजिटल युग में मातृभाषाओं के सामने नई चुनौतियाँ और नए अवसर दोनों मौजूद हैं। आज का युवा सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल मंचों के बीच जी रहा है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन मंचों पर मातृभाषाओं को पर्याप्त स्थान मिल रहा है? यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए, तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। परंतु यदि तकनीक का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाए, तो यही कृत्रिम बुद्धिमत्ता विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश तैयार कर सकती है, ध्वनि-संग्रह सुरक्षित कर सकती है और अनुवाद प्रणालियों के माध्यम से उन्हें पुनर्जीवित कर सकती है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और भी जटिल है। यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में अनेक भाषाएं लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि लोककथाओं, लोकगीतों, पारंपरिक ज्ञान और जीवन-दृष्टि का समाप्त हो जाना है। जब कोई भाषा विलुप्त होती है, तो उसके साथ एक संपूर्ण सांस्कृतिक संसार भी समाप्त हो जाता है। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा, विशेषकर अंग्रेजी, ही विकास और ज्ञान का माध्यम है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। अपनी भाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार का मार्ग प्रशस्त होता है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय केवल सांस्कृतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी उचित है। जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है, तो वह केवल जानकारी नहीं ग्रहण करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। यूनेस्को का मानना है कि स्थायी और शांतिपूर्ण समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता अनिवार्य है। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से ही पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हैं। भाषाई विविधता सहिष्णुता और पारस्परिक सम्मान को भी बढ़ावा देती है। यदि समाज में केवल कुछ प्रमुख भाषाएं ही प्रभावी रहेंगी, तो अन्य समुदायों की आवाज़ दब सकती है।

डिजिटल मंचों पर मातृभाषाओं को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवा ऐप विकसित कर सकते हैं, ब्लॉग लिख सकते हैं, पॉडकास्ट चला सकते हैं, यूट्यूब चैनल बना सकते हैं और डिजिटल पुस्तकालय तैयार कर सकते हैं। यदि स्थानीय साहित्य, लोककथाएं और लोकसंगीत डिजिटल रूप में उपलब्ध हों, तो वे वैश्विक दर्शकों तक पहुंच सकते हैं। तकनीक को केवल उपभोग का माध्यम न बनाकर सृजन का माध्यम बनाना होगा। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देना समय की मांग है। स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान मिलना चाहिए। विद्यार्थियों को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर दिए जाने चाहिए—कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, लेखन प्रतियोगिताएं और डिजिटल कंटेंट निर्माण जैसे मंच उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दे सकते हैं। भाषा को बोझ नहीं, बल्कि गौरव के रूप में प्रस्तुत करना होगा।

युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण बढ़ाने का एक प्रभावी उपाय यह है कि हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर प्रस्तुत करें। जब युवा यह समझेंगे कि उनकी भाषा में ज्ञान, विज्ञान और दर्शन की समृद्ध परंपरा है, तो उनमें स्वाभिमान की भावना जागृत होगी। दूसरा उपाय है—रचनात्मक मंचों का विस्तार। यदि युवाओं को अपनी भाषा में सृजन करने के अवसर मिलेंगे, तो वे स्वाभाविक रूप से उससे जुड़ाव महसूस करेंगे। डिजिटल युग में एक और चुनौती है—भाषाई सामग्री की गुणवत्ता। यदि मातृभाषा में उपलब्ध सामग्री सीमित या निम्न गुणवत्ता की होगी, तो युवा अन्य भाषाओं की ओर आकर्षित होंगे। इसलिए आवश्यक है कि उच्च गुणवत्ता का शैक्षिक, वैज्ञानिक और रचनात्मक कंटेंट मातृभाषाओं में विकसित किया जाए। अनुवाद, शब्दकोश निर्माण और तकनीकी शब्दावली का विकास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। मातृभाषा दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि भाषा मानवाधिकारों से जुड़ा मुद्दा है। कई बार समाज में मातृभाषा के उपयोग को हीन समझा जाता है, जिससे व्यक्तियों का आत्मविश्वास प्रभावित होता है। भाषा के आधार पर भेदभाव सामाजिक असमानता को बढ़ावा दे सकता है। इसलिए भाषाई सम्मान और समानता को सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक मूल्यों का हिस्सा है। अंततः मातृभाषा केवल अतीत की विरासत नहीं, भविष्य की आधारशिला भी है। यदि नई पीढ़ी अपनी भाषा से विमुख हो जाएगी, तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर पड़ जाएगा। लेकिन यदि युवा तकनीक, शिक्षा और रचनात्मकता के माध्यम से मातृभाषा को सशक्त बनाएंगे, तो डिजिटल युग में भी भाषाई विविधता सुरक्षित रह सकती है।

'डॉ. चैटजीपीटी' से हेल्थ सलाह: समझदारी, सावधानी और सही इस्तेमाल की जरूरत

डिजिटल दौर में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अब केवल अस्पतालों, क्लीनिकों या मेडिकल किताबों तक सीमित नहीं रह गई है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने इसे हर व्यक्ति की जेब तक पहुंचा दिया है। अब एक नया किरदार इस परिदृश्य में तेजी से उभरा है—एआई आधारित लार्ज लैंग्वेज मॉडल, जिन्हें कई लोग मजाक में या सहज भाव से 'डॉ. चैटजीपीटी' कहने लगे हैं। एक डॉक्टर के तौर पर यह साफ दिखाई देता है कि मरीज चिकित्सकीय सलाह के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। कई बार वे सीधे बताते हैं कि डॉक्टर के पास आने से पहले उन्होंने एआई से राय ली। कभी संकेत सूक्ष्म होते हैं—वे संभावित बीमारियों की लंबी सूची, सुझाए गए टेस्ट्स और उपचार विकल्पों की प्रिंटेड जानकारी लेकर आते हैं। आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में लोग, खासकर विकसित देशों में, स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए एआई टूल्स का सहारा ले रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत जैसे देशों में भी तेजी से बढ़ रही है। एक एआई शोधकर्ता के रूप में यह मानना गलत नहीं होगा कि यदि सही ढंग से उपयोग किया जाए तो लार्ज लैंग्वेज मॉडल इंटरनेट के आविष्कार के बाद मरीजों को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी साधन साबित हो सकते हैं। लेकिन यह कहानी केवल अवसरों की नहीं है; इसमें जोखिम भी हैं—कुछ स्पष्ट, कुछ अभी पूरी तरह समझे नहीं गए। इन टूल्स के कारण डॉक्टर और मरीज के रिश्ते में दूरी आ सकती है, या फिर लोग लगातार सवाल पूछते-पूछते एंग्जाइटी के दुष्चक्र में फंस सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम 'डॉ. चैटजीपीटी' को एक सहायक उपकरण की तरह समझें, न कि अंतिम निर्णयकर्ता की तरह। आज औसतन एक मरीज को साल भर में अपने डॉक्टर के साथ आमने-सामने बातचीत के कुल मिलाकर लगभग 15–20 मिनट ही मिलते हैं। इस सीमित समय में अपनी सारी चिंताएं, लक्षण और शंकाएं स्पष्ट रूप से रखना आसान नहीं होता। कई बार मरीज को बाद में याद आता है कि वह कोई जरूरी प्रश्न पूछना भूल गया। ऐसे में एआई एक तैयारी उपकरण के रूप में बेहद उपयोगी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति को कई हफ्तों से लगातार खांसी हो रही है और वह डॉक्टर से मिलने जा रहा है, तो वह अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट्स, दवाओं की सूची और वर्तमान लक्षणों का विवरण एआई टूल में डाल सकता है। फिर वह कह सकता है—"इस जानकारी का संक्षिप्त सार तैयार करें और बताएं कि डॉक्टर से मुलाकात में मुझे कौन-से महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने चाहिए।" इससे मरीज व्यवस्थित, केंद्रित और आत्मविश्वास के साथ डॉक्टर के पास पहुंचता है। चिकित्सा

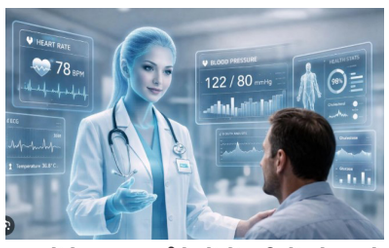

कानूनों के तहत कई देशों में मरीजों को अपने मेडिकल नोट्स देखने का अधिकार है। लेकिन अधिकांश लोग उन्हें कभी पढ़ते ही नहीं। जो पढ़ते हैं, वे मेडिकल शब्दावली समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। कई बार पुराने नोट्स में गलत अनुमान, खारिज की जा चुकी आशंकाएं या अधूरी जानकारी बनी रह जाती है, जिससे भ्रम पैदा हो सकता है। एआई यहां अनुवादक और विश्लेषक की भूमिका निभा सकता है। मरीज अपने नोट्स को सरल भाषा में समझने, महत्वपूर्ण बिंदुओं को अलग करने और संभावित त्रुटियों पर ध्यान दिलाने के लिए एआई से मदद ले सकते हैं। यह उन्हें डॉक्टर से अधिक सार्थक बातचीत करने में सक्षम बनाता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि एआई की गुणवत्ता पूरी तरह इस बात पर निर्भर करती है कि उसे कितनी और कैसी जानकारी दी गई है। यदि कोई व्यक्ति केवल इतना लिख दे कि "मुझे सिरदर्द है, क्या यह गंभीर है?", तो जवाब बहुत सामान्य होगा। लेकिन यदि वह यह जोड़े कि सिरदर्द कब से है, किस हिस्से में है, क्या वह तनाव के दौरान बढ़ता है, क्या उसे पहले माइग्रेन रहा है, क्या वह कोई दवा ले रहा है—तो एआई का उत्तर अधिक उपयोगी और संदर्भयुक्त हो सकता है। डॉक्टर मेडिकल स्कूल में वर्षों तक यह सीखते हैं कि किन लक्षणों और विवरणों पर विशेष ध्यान देना है। मरीज भी यदि एआई से कहें—"मेरा इंटरव्यू ऐसे लें जैसे आप डॉक्टर हों"—तो प्रश्न-उत्तर की प्रक्रिया के माध्यम से वे अपने लक्षणों को अधिक व्यवस्थित ढंग से समझ और व्यक्त कर सकते हैं।

लेकिन यहीं एक बड़ी सावधानी भी जरूरी है। लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स का स्वभाव उपयोगकर्ता को संतुष्ट करने की ओर झुका होता है। वे आपकी भाषा, आपके डर और आपकी प्राथमिकताओं को पहचानने की कोशिश करते हैं। स्वास्थ्य के मामले में यह प्रवृत्ति खतरनाक हो सकती है। 'साइबरकॉन्ड्रिया' शब्द उस स्थिति के लिए इस्तेमाल होता है, जब कोई व्यक्ति सामान्य लक्षणों के बारे में इंटरनेट पर खोज करते-करते गंभीर और दुर्लभ बीमारियों के भय में उलझ जाता है। पहले यह समस्या सर्च इंजन तक सीमित थी; अब एआई चैटबॉट्स इसे और व्यक्तिगत बना सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति बार-बार पूछे कि क्या उसका सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है, तो एआई उसे संभावनाओं की विस्तृत सूची दे सकता है। भले ही वह यह स्पष्ट करे कि यह दुर्लभ है, लेकिन बातचीत की दिशा डर की ओर मुड़ सकती है।

यह स्थिति कुछ हद तक सोशल मीडिया एल्गोरिदम जैसी है, जो आपकी रुचियों के आधार पर आपको वैसी ही सामग्री दिखाते रहते हैं। यदि आप भयावह खबरों पर अधिक ध्यान देते हैं, तो आपको और अधिक भयावह सामग्री दिखाई जाती है। उसी तरह, यदि आपकी बातचीत स्वास्थ्य संबंधी डर पर केंद्रित है, तो एआई उसी दिशा में अधिक जानकारी प्रस्तुत कर सकता है। इससे व्यक्ति का तनाव बढ़ सकता है और वह एक दुष्चक्र में फंस सकता है—हर नए लक्षण को गंभीर बीमारी से जोड़ने का।

इसका समाधान क्या है? पहला, एआई को अंतिम सत्य न मानें। उसे एक तैयारी और जानकारी जुटाने के साधन के रूप में उपयोग करें। दूसरा, गंभीर या आपातकालीन लक्षणों में सीधे डॉक्टर से संपर्क करें—सीने में तेज दर्द, सांस लेने में कठिनाई, अचानक कमजोरी, तेज बुखार या बेहोशी जैसी स्थितियों में चैटबॉट से बातचीत समय की बर्बादी हो सकती है। तीसरा, एआई से मिली जानकारी को डॉक्टर के साथ साझा करें, लेकिन उसे चुनौती देने या टकराव का माध्यम न बनाएं। कहें—"मैंने यह पढ़ा/सुना है, क्या यह मेरे मामले में लागू होता है?" इस तरह संवाद रचनात्मक बनता है। डॉक्टर और मरीज का रिश्ता भरोसे पर आधारित होता है। यदि मरीज हर बात पर एआई को अधिक विश्वसनीय मानने लगे, तो यह रिश्ता कमजोर पड़ सकता है। वहीं, यदि डॉक्टर एआई के उपयोग को पूरी तरह खारिज कर दें, तो वे मरीज की जिज्ञासा और आत्मनिर्भरता को नज़रअंदाज कर सकते हैं। बेहतर रास्ता सहयोग का है—एआई एक सहायक उपकरण, डॉक्टर एक अंतिम निर्णयकर्ता और मरीज सक्रिय भागीदार। इस त्रिकोण में संतुलन जरूरी है।

गोपनीयता का मुद्दा भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब आप अपनी मेडिकल रिपोर्ट्स या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विवरण किसी ऑनलाइन टूल में डालते हैं, तो यह समझना चाहिए कि वह डेटा कैसे सुरक्षित रखा जाएगा। विश्वसनीय और प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म का उपयोग करें, सार्वजनिक कंप्यूटर या असुरक्षित नेटवर्क से बचें, और संवेदनशील जानकारी साझा करते समय सतर्क रहें। स्वास्थ्य डेटा अत्यंत निजी होता है; उसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का प्रभावी कवच - भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने प्रदेश में स्पेशल साइबर कोर्ट स्थापित किए जाने की घोषणा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने अपार सुविधाएँ प्रदान की हैं तथा इससे शासन, सेवाएँ और संवाद पहले से कहीं अधिक सुलभ हुए हैं। परंतु इसके दुरुपयोग होने से चुनौतियां उत्पन्न होती है। ऐसी स्थिति में साइबर सुरक्षा केवल बैंक खातों की सुरक्षा नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वास की रक्षा का भी विषय बन गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका अपनी भूमिका निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी, ताकि इस खतरे को देश से समाप्त किया जा सके। जस्टिस सूर्यकांत शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में 'साइबर सुरक्षा- जागरूकता, संरक्षण एवं न्याय तक समावेशी पहुंच' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि "डिजिटल अरेस्ट" जैसी कोई न्यायिक प्रक्रिया अस्तित्व में नहीं है। यह पूर्णतः धोखाधड़ी का मामला है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नागरिक शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा तथा इसके लिए सभी संस्थाओं को समन्वित साझेदारों की तरह मिलकर कार्य करना होगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमने बचपन से 'हमेशा सोचकर बोलो, समझकर कार्य करो' की एक सीख सुनी है। डिजिटल दुनिया में, जहां निर्णय एक क्लिक में लिए जाते हैं और पलक झपकते ही नुकसान हो सकता है, ऐसे में यह साधारण अनुशासन ही सुरक्षा का माध्यम बन जाता है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा मूलतः उसी प्राचीन बुद्धिमत्ता का आधुनिक रूप है, जिसमें जागरूकता के साथ कार्य करना, सावधानी बरतना शामिल है। मुख्य न्यायाधीश ने राजस्थान में साइबर न्यायालय की स्थापना की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण केवल सलाह तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थागत ढाँचा विकसित कर

रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय तभी वास्तविक है जब वह सुलभ हो। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में तकनीक के विस्तार के साथ साइबर अपराध की नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। इससे बचाव के लिए नागरिकों में जागरूकता सबसे प्रभावी कवच है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा हमारा सामूहिक संकल्प है तथा इस संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार, न्यायपालिका और समाज को मिलकर काम करना होगा। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठा रही है। हमारी सरकार ने साइबर अपराधियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए ऑपरेशन एंटी वायरस अभियान के तहत साइबर अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया है। साथ ही, प्रदेश में साइबर अपराधों पर नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए राजस्थान साइबर क्राइम कण्ट्रोल सेण्टर (आरकॉरसी) की स्थापना की जा रही है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि साइबर अपराध पर कठोर नियंत्रण के लिए प्रदेश में विशेष साइबर कोर्ट की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आम नागरिक बैंकिंग, फसल बीमा, पेंशन से लेकर न्यायिक प्रक्रियाओं से डिजिटल माध्यम के जरिए जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ई-कोर्ट पोर्टल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई एवं ऑनलाइन शिकायत प्रणाली से न्याय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी है तथा दूर-दराज क्षेत्र के लोगों को न्याय त्वरित और सुलभ हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल न्याय प्रणाली एक समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी राहत पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा लागू किए गए तीन नए कानून को राजस्थान में भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। हमारा प्रदेश इन नए कानूनों के माध्यम से देश में सबसे तीव्र गति से न्याय पहुंचाने वाले राज्यों में से एक बन गया है। हमारी सरकार का ध्येय है कि राजस्थान की धरती पर किसी भी अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है। इसके साथ ही, कानूनी प्रक्रियाओं में भी नवाचार किए जा रहे हैं। इसी दिशा में ई-कोर्ट्स का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने न्यायविदों एवं विधि विशेषज्ञों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभव और आपकी मार्गदर्शन से यह सम्मेलन साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने एवं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगा।

एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस का आचरण राष्ट्र को शर्मसार करने वाला - मदन राठौड़

-भारत की प्रगति से व्यथित कांग्रेस ने एआई समिट में किया देशविरोधी कृत्य- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए आचरण की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि यह कोई साधारण राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा के विरुद्ध गंभीर कृत्य है। जब पूरा विश्व भारत की नेतृत्व क्षमता, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रभाव को स्वीकार कर रहा है, तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगियों द्वारा देश की छवि धूमिल करने का प्रयास अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों की भागीदारी तथा 2.5 लाख लोगों के पंजीकरण ने यह सिद्ध किया है कि भारत आज वैश्विक मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्व के शीर्ष उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं ने भारत की तकनीकी प्रगति, डिजिटल परिवर्तन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुलकर

सराहना की है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को अपने आचरण पर आत्ममंथन कर क्षमा याचना करनी चाहिए थी, इसके विपरीत उसके नेताओं ने ऐसे प्रदर्शन को उचित ठहराने का प्रयास किया। लोकतंत्र में सरकार और नीतियों की आलोचना का अधिकार सभी को है, किंतु देश के विरुद्ध प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को क्षति पहुँचाना अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व कल्याण, डिजिटल क्रांति और समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी जी के शासन में डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने देश के छोटे से छोटे व्यापारी और सड़क विक्रेता तक को सशक्त बनाया है। भारत की तीव्र प्रगति को विश्व के अनेक नेताओं ने सार्वजनिक रूप से सराहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। पार्टी और सरकार की बैठकों में भी यह मार्गदर्शन दिया जाता है कि किसी भी वक्तव्य या कार्य से देश की गरिमा को आघात नहीं पहुँचना चाहिए। इसके विपरीत राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता निरंतर भारत की उपलब्धियों पर प्रश्न चिह्न लगाते रहे है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र का हिस्सा है, परंतु देश को बदनाम करना या राष्ट्र की छवि को नुकसान पहुँचाना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए और देश को शर्मसार करने वाले कृत्यों से स्वयं को दूर रखना चाहिए। राठौड़ ने अंत में कहा कि भारत आज विश्व नेतृत्व की दिशा में अग्रसर है और देश की जागरूक जनता राष्ट्रहित के विरुद्ध किसी भी राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का भव्य विमोचन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय संस्कृति के शिखर राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि मैं वह अत्यंत सौभाग्यशाली हूं कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को निकट से देखने और उनके साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। अटल जी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने अपने विचारों, आचरण और कार्यों से लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ

बागडे, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार घोष तथा प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ डॉ. एम. एम. जोशी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार घोष एवं डॉ. एम. एम. जोशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि यह कॉफी टेबल बुक श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सार्वजनिक जीवन, सुशासन, कूटनीतिक दृष्टि एवं साहित्यिक व्यक्तित्व को चित्रों एवं दुर्लभ दस्तावेजों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव मुहम्मद जुनैद (आईएएस) पहुंचे जमवारामगढ़ के ग्राम पंचायत टोडा मीणा में

-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 का टोडा मीणा में औचक निरीक्षण किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जमवारामगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत टोडा मीणा में निदेशक मुहम्मद जुनैद के द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0, जमवारामगढ के ग्राम पंचायत टोडा मीणा में औचक निरीक्षण किया गया। मुहम्मद जुनैद द्वारा ग्राम ग्रामवासियों से विस्तृत रूप से चर्चा की जल ग्रहण विकास योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। क्षेत्र के ग्रामीणों को जल संबंधीत, पशुओं से संबंधित समस्याओं के बारे में उपस्थित विभागीय अधिकारियों एव कर्मचारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिये। टोडा मीणा के प्रगति कार्यो का निरीक्षण किया। निदेशक द्वारा क्षेत्र में चल रहे एनकीट निर्माण कार्य का निरक्षण कर गुणवत्ता बढाने का निर्देश दिये एवं विभागीय अधिकारियों को निर्धारित मापदंडों को आवश्यक रूप से पालन करने के निर्देश

दिए। निदेशक द्वारा ग्रामवासियों से वार्ता करते हुए कहा गया कि परियोजनाओं के बारे में क्षेत्र के लाभार्थियों को विस्तार से जानकारी बता कर अधिक से अधिक सरकार की योजनाओं के लाभ दिलवाले हेतु प्रचार प्रसार करें। एवं फिल्ड के अधिकारी ग्रामीणों को जल ग्रहण विकास योजना के बारे जानकारी दे। जिससे ग्रामीणों को सीधा सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर संभाग दिनेश कुमार, अतरिक्त निदेशक राजेंद्र प्रसाद, अधिक्षण अभियंता एवं पदेन सुनिल कुमार,नवीन वशिष्ठ, उप निदेशक, रविकांत विजय, उप निदेशक, सत्य नारायण सैनी उप निदेशक,अधिशाषी अभियंता संजय सुनारियां, सहायक अभियंता नईता कुमारी, रामकेश मीणा, नरेश मीणा,जल ग्रहण सचिव सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

जयपुर पुलिस आयुक्त ने सामुदायिक केंद्र सांगानेर में जनसुनवाई कर परिवादियों को दी राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शनिवार को सामुदायिक केंद्र, श्रीराम नगर कॉलोनी, सांगानेर (नगर निगम कार्यालय सांगानेर के पीछे) में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस दौरान विशेष पुलिस आयुक्त ऑपरेशंस राहुल प्रकाश, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम मनीष अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व एवं सहायक पुलिस आयुक्त सांगानेर व संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सचिन मित्तल ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान कई परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए थाना स्तर में प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस थाना सांगानेर, प्रतापनगर, रामनगरिया एवं मालपुरा गेट क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया। जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाता है। समय लगने वाली अन्य समस्याओं के जल्द समाधान के लिए भी निर्देश दिया जाता है।

'धर्म में नहीं लिखा, बस जिद के चलते...', रमजान में BJP ने फिर उठाया लाउडस्पीकर का मुद्दा

जयपुर। रमजान के महीने में राजस्थान की राजधानी जयपुर में लाउडस्पीकर का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य के बाद अब एक और बीजेपी विधायक ने लाउडस्पीकर बंद किए जाने की मांग उठाई है। सिविल लाइंस विधानसभा सीट से विधायक गोपाल शर्मा ने इस विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा का कहना है कि धर्म में कहीं भी लाउडस्पीकर बजाकर शोर मचाने का उल्लेख नहीं है। उनके अनुसार, लाउडस्पीकर के जरिए शोर करना आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जिद के चलते लाउडस्पीकर बजाते हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है।

'खुद सजग हों और जिद छोड़ें' – गोपाल शर्मा

विधायक गोपाल शर्मा का कहना है कि लाउडस्पीकर के शोर से पढ़ाई करने वाले बच्चों को दिक्कत होती है। बुजुर्ग और बीमार लोग भी इससे प्रभावित होते हैं। उन्होंने अपील की कि लोगों को खुद जागरूक होना चाहिए और अपनी

जिद छोड़नी चाहिए। ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए जिससे दूसरे लोगों को परेशानी उठानी पड़े।

'हिंदू धर्म में कभी-कभार ही शोर होता है'

गोपाल शर्मा ने आगे कहा कि आस्था का सम्मान होना चाहिए, लेकिन यह भी ध्यान रखा जाए कि किसी की धार्मिक गतिविधि से दूसरे नागरिकों को असुविधा न हो। उनका कहना था कि हिंदू धर्म में धार्मिक आयोजनों के दौरान जो शोर होता है, वह सीमित समय के लिए और कभी-कभार होता है। इससे पहले विधायक बालमुकुंद आचार्य ने भी रमजान के दौरान पूरे महीने लाउडस्पीकर से होने वाले शोर का मुद्दा उठाया था और आमजन को होने वाली दिक्कतों की बात कही थी।

कांग्रेस ने जताई कड़ी आपत्ति

दूसरी ओर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक विधायक रफीक खान ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पूरी तरह संवैधानिक अधिकार का विषय है। हर व्यक्ति को अपनी पूजा-पद्धति के अनुसार धार्मिक कार्य करने की स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर परंपरागत रूप से इस्तेमाल किए जाते रहे हैं और इसका विरोध करना गलत है। रफीक खान ने आरोप लगाया कि इस तरह के बयान एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने की कोशिश हैं और यह संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत जयपुर की अंतिम मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत 04 नवंबर 2025 से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण सम्पन्न हुआ तथा 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जयपुर जिले में उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 42,87,103 थी। आयोग के कार्यक्रमानुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त की गईं। इस अवधि में जयपुर जिले में कुल 1,57,431 फॉर्म-6/6A, 21,436 फॉर्म-7 तथा 47,834 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की सूचियाँ फॉर्म-9, 10, 11, 11ए एवं 11बी में तैयार कर प्रत्येक कार्य दिवस को कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की गईं। प्रति सप्ताह प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की सूचियाँ मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ साझा की गईं तथा इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्राप्त समस्त दावे-आपत्तियों का निस्तारण कर 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। प्रारूप सूची में 42,87,103 मतदाताओं की तुलना में 3.45 प्रतिशत वृद्धि के साथ जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 44,35,111 हो गई है। इनमें 23,04,523 पुरुष, 21,30,509 महिला तथा 79 ट्रांसजेंडर मतदाता सम्मिलित हैं। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची-2026 की एक सॉफ्ट कॉपी

(फोटो रहित) एवं एक हार्ड कॉपी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। यह सूची DEO जयपुर की वेबसाइट (https://jaipur.rajasthan.gov.in), CEO राजस्थान की वेबसाइट (https://election.rajasthan.gov.in) तथा Election Commission of India के मतदाता पोर्टल (https://voters.eci.gov.in) पर ऑनलाइन उपलब्ध है। कोई भी मतदाता EPIC सर्च के माध्यम से अपना नाम ऑनलाइन देख सकता है। मतदाता सूची में नाम जोड़ना, हटाना अथवा संशोधन कराना एक सतत प्रक्रिया है। इसके लिए फॉर्म-6 (घोषणापत्र सहित), फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 ECINet App अथवा Voters Portal (https://voters.eci.gov.in) पर ऑनलाइन या संबंधित बीएलओ के माध्यम से भरे जा सकते हैं। मतदाता सूची में किसी प्रविष्टि के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध अपील, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 तथा निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 23 एवं 27 के अंतर्गत की जा सकती है। प्रथम अपील अंतिम प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष तथा जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय से असंतुष्ट होने की स्थिति में द्वितीय अपील 30 दिवस के भीतर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान के समक्ष प्रस्तुत की जा सकती है।

3.51 लाख में खरीदी मुर्रा नस्ल की भैंस:

डीजे बजाकर जुलूस के साथ फार्म पर लाए, पशुपालक बोला- खास मेहमान का हम स्वागत करते हैं

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। मुहाना निवासी गणेश यादव ने 3 लाख 51 हजार रुपए में मुर्रा नस्ल की खरीदी। जिसे वह डीजे बजाकर और जुलूस के साथ अपने फार्म तक लाए। यह अनोखी मेहमानवाजी पूरे कस्बे में चर्चा का विषय बन गई है। भैंस को सीधे फार्म पर ले जाने के बजाय, डीजे की धुन और उत्साह भरे माहौल में उसे पूरे कस्बे में घुमाया गया। बच्चों ने तालियां बजाईं और कई लोग मुस्कुराए बिना नहीं रह सके। गणेश यादव भैंस को झुंझुनूं जिले के सिंघाना से खरीदकर लाए हैं। यह मुर्रा नस्ल की भैंस प्रतिदिन 24 लीटर दूध देने की क्षमता रखती है, जिसके लिए यह नस्ल विशेष रूप

से जानी जाती है।गणेश यादव का कहना है कि उन्हें पशुओं से गहरा प्रेम है। वे जब भी कोई नया पशु अपने फार्म पर लाते हैं, तो उसे परिवार के सदस्य की तरह सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे घर में कोई खास मेहमान आए तो हम स्वागत करते हैं, वैसे ही मैं अपने पशुओं का स्वागत करता हूं। इससे मुझे आत्मिक शांति मिलती है। भैंस की कीमत और डीजे के साथ निकाले गए जुलूस ने इस पूरे आयोजन को खास बना दिया। कस्बे में अब यह चर्चा है कि जब भैंस की एंट्री इतनी शाही रही, तो फार्म पर भी उसका ख्याल 'वीआईपी' अंदाज में ही रखा जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने दिए लंबित छात्रवृत्ति प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विभाग द्वारा उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत शैक्षणिक सत्र 2022-23 से 2024-25 तक के लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए हैं। गहलोत ने कहा कि जिन विद्यार्थियों के आवेदन पत्र आक्षेप पूर्ति के अभाव में लंबित हैं उन छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों में पाई गई कमियों एवं आपत्तियों की पूर्ति करवाकर उन्हें शीघ्र जिला कार्यालयों को अग्रेषित किया जाए, ताकि पात्र विद्यार्थियों को नियमानुसार छात्रवृत्ति का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र विद्यार्थी को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा शिक्षण संस्थानों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्रवृत्ति आवेदनों की नियमानुसार जांच

कर ही उन्हें अग्रेषित करें। उन्होंने कहा कि अनियमित अथवा फर्जी आवेदन अग्रेषित करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें छात्रवृत्ति पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। गहलोत ने विद्यार्थियों एवं संस्थानों से अपील की है कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी अद्यतन दिशा-निर्देशों की जानकारी www.sjmsnew.rajasthan.gov.in/scholarship या विभागीय वेबसाइट sje.rajasthan.gov.in पर अवश्य देखते रहें ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

जनहित की जीत – शाहपुरा में सड़क कार्य शुरू

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। नरसिंह मंदिर से तिब्बा बस्ती क्षेत्र की जर्जर सड़क को लेकर दिगराज सिंह शाहपुरा ने संबंधित विभाग को सूचना के अधिकार के तहत शिकायत प्रस्तुत की थी। लंबे समय से आमजन इस समस्या से परेशान थे। दिगराज सिंह शाहपुरा की शिकायत एवं लगातार फॉलोअप के बाद अब इस सड़क का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा की यह किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि जनहित की जीत है। मेरा संकल्प है – जहाँ समस्या होगी, वहाँ आवाज़ भी उठेगी और समाधान भी होगा। शाहपुरा की जनता की सेवा मेरा दायित्व है, और इसी तरह हर मुद्दे पर मजबूती से खड़ा रहूँगा।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

कैरियर महाविद्यालय में आयोजित हुआ निर्वाचन साक्षरता उत्सव

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित कैरियर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता उत्सव का आयोजन किया गया। स्वीप नोडल अधिकारी श्वेता कोचर ने बताया कि इस उत्सव में रंगोली, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बीएड प्रशिक्षणार्थियों ने लघु नाटक के माध्यम से मतदान का महत्व बताया। इस दौरान तहसीलदार अशोक गोरा ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए प्रेरित किया तथा निर्वाचन साक्षरता

उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कैरियर ग्रुप ऑफ ऐजूकेशन के संरक्षक हनुमानाराम धेतरवाल, निदेशक अमीलाल धेतरवाल, मनरूपचन्द धेतरवाल ने मतदान का करने का महत्व बताया। इस दौरान हनुमान सिंह, डॉ. सुरेश सिंह राठौड़, ईएलसी प्रभारी आरती ओझा, पूनम वर्मा, वेदप्रकाश शर्मा, स्वीप प्रकोष्ठ के अरूण टुहानिया, रमेश सिसोदिया सहित स्टफ सदस्य एवं विद्यार्थी मोजूद रहे।

जिला स्तरीय राजसखी सरस मेला का भव्य शुभारंभ

-27 फरवरी तक होंगे विविध आयोजन सांसद चौधरी ने किया शुभारंभ

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं राजीविका राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय राजसखी सरस मेला का शनिवार को रामलीला मैदान में भव्य शुभारंभ सांसद पी. पी. चौधरी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर एलएन मंत्री सीईओ मुकेश चौधरी, ऐसीईओ महेंद्र मेहता सुनील भंडारी, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, देवीलाल मेघवाल की मौजूदगी रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद चौधरी ने कहा कि सरस मेला ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए एक सशक्त मंच है, जो उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने राजीविका के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

स्टाल्स का अवलोकन सांसद चौधरी ने भी की खरीददारी:-

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता की प्रशंसा की। साथ ही स्टॉलों से उत्पाद खरीदकर महिला समूहों का उत्साहवर्धन भी किया। मेले में हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र, खाद्य उत्पाद एवं स्थानीय कला से संबंधित आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं, जो आमजन के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इस अवसर पर सांसद चौधरी ने भी खरीददारी कर महिला समूहों का उत्साह वर्धन किया। प्रातः 10 बजे से शाम 9 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा, मेले में लगी 62 स्टाल्स जिला प्रशासन एवं राजीविका द्वारा आयोजित यह मेला आगामी 7 दिनों तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 9 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। इसमें विभिन समूहों की उत्पादों की 62 स्टाल्स लगाई गई है।

सेल्फी पॉइंट रहा आकर्षण का केंद्रः-

मेले में सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा जिसमे आमजन ने उत्साह से फ़ोटो खिंचवाई। इसमें मेडिकल सहायता व आयोजन के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम गरिमामयी वातावरण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विभिन विभागों के अधिकारी ,राजीविका के मैनेजर फाइनेंस कल्याण सिंह राजपुरोहित, जिला लेखाकार सवाई सिंह राजपुरोहित,रचना दास, जिला प्रबंधक, बजरंग लाल मीणा जिला प्रबंधक पवन धाकड़, परियोजना सहायक कृष्ण गोपाल तेजराज,जिला परियोजना प्रबंधन इकाई राजीविका व आमजन मौजूद रहे।

गरीब परिवार की बेटी की शादी में आगे आए रामचन्द्र प्रधान

-कांग्रेस SC प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ने उठाया शादी का पूरा खर्च, समाज में बनी मिसाल

शफीक अली

महवा/रसीदपुर (रॉयल पत्रिका)। मंडावर तहसील के गांव पाखर चौड़ाकी में एक गरीब परिवार की बेटी की शादी में कांग्रेस SC प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामचन्द्र प्रधान ने आगे आकर एक बेहद भावुक मिसाल पेश की है। उन्होंने आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार की बेटी पिंकी कुमारी बैरवा की शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार बड़े धूमधाम से रचाई और शादी का सम्पूर्ण खर्च उठाया। इस मौके पर कांग्रेस जिला महासचिव अशोक पाखर ने कहा, "रामचन्द्र प्रधान ने एक गरीब परिवार की बेटी की शादी में आगे आकर समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण पेश किया है। उनकी इस पहल से हमें भी प्रेरणा मिली है और हम भी ऐसे कार्यों में आगे आने का प्रयास

करेंगे।" मिशन कन्यादान ग्रुप के सदस्यों ने भी इस मौके पर मदद की और लड़की की मां को आर्थिक सहायता सौंपी। ग्रुप के सदस्यों ने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि गरीब परिवार की बेटियों की शादी में मदद करें और उन्हें एक बेहतर भविष्य दें।" इस मौके पर गांव के लोगों ने रामचन्द्र प्रधान की इस पहल की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। गांव के लोगों ने कहा, "रामचन्द्र प्रधान ने एक गरीब परिवार की बेटी की शादी में आगे आकर समाज के लिए एक अच्छा काम किया है। हम उनकी इस पहल की सराहना करते हैं।" इस शादी में अशोक कुमार पाखर, नंदराम लोको पायलट, संतोष धवन, अवधेश केसरी, सतीश वेदवाल, प्रदीप काडू नागरवाल आदि ने भी मदद की।

सदन में मंत्री संतोषजनक जवाब देने में विफल:

सूरतगढ़ के 2650 किसानों के खातेदारी अधिकारों पर विधायक डूंगरराम गेदर के तीखे सवाल

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा में सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर ने नियम 131 के तहत सूरतगढ़ क्षेत्र में भूमि आवंटन की मूल पत्रावलियों और नक्शों के गायब होने का गंभीर मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड के अभाव में हजारों किसान खातेदारी अधिकार, बैंक ऋण, फसल बीमा और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से प्रभावित हो रहे हैं। सरकार की ओर से मंत्री ने अपने जवाब में स्वीकार किया कि सूरतगढ़ तहसील के कई गांवों में रिकॉर्ड एवं नक्शों की स्थिति में गंभीर विसंगतियाँ हैं। करडू, भगवानवाला, सूरतगढ़ रोही, रघुनाथपुरा रोही आदि क्षेत्रों के नक्शे कटे-फटे और अपठनीय हैं, जबकि कई स्थानों पर रिकॉर्ड और मौके की स्थिति में अंतर पाया गया है। सर्वे, रि-सर्वे, चकबंदी और 1-2-1 मैपिंग की प्रक्रियाएँ लंबित होने से किसानों को खातेदारी अधिकार मिलने में देरी हो रही है। इससे राजस्व अभिलेखों के संरक्षण एवं प्रबंधन में गंभीर लापरवाही उजागर होती है। विधायक डूंगरराम गेदर ने सदन में यह तथ्य भी रखा कि सरकार स्वयं पूर्व में स्वीकार कर चुकी है कि सूरतगढ़ तहसील में 2650 प्रकरणों में खातेदारी जारी करना शेष है। पिछले लगभग 30 वर्षों में नई भूमि आवंटित नहीं होने के बावजूद इतने पुराने मामलों का

लंबित रहना प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट प्रमाण है। जब उन्होंने पूछा कि ये 2650 प्रकरण किन गांवों के हैं और खातेदारी क्यों नहीं दी जा रही, तो मंत्री स्पष्ट एवं तथ्यात्मक उत्तर देने में असफल रहे। उन्होंने यह भी बताया कि जमीनी स्तर पर किसानों को मूल पत्रावलियों के अभाव का हवाला देकर खातेदारी से वंचित किया जा रहा है। हरिसिंह पुत्र चंद्र सिंह जाट तथा भागीरथ पुत्र धोकलराम मेघवाल जैसे किसानों के मामले इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। यह स्थिति किसानों को आर्थिक एवं कानूनी असुरक्षा की ओर धकेल रही है। विधायक सूरतगढ़ ने सरकार से मांग की है कि 2650 लंबित प्रकरणों का क्षेत्रवार विवरण सार्वजनिक किया जाए, मूल पत्रावलियों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा समयबद्ध योजना बनाकर किसानों को खातेदारी अधिकार प्रदान किए जाएँ। सूरतगढ़ के किसानों को अब आश्वासन नहीं, बल्कि न्याय चाहिए।

थाना बनेड़ा द्वारा 57 किलो 120 ग्राम डोडा चूरा सहित फॉर्च्यूनर कार जब्त

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना बनेड़ा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 57 किलो 120 ग्राम अवैध डोडा चूरा एवं एक फॉर्च्यूनर कार जब्त की है। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ एवं मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य एवं वृताधिकारी शाहपुरा ओमप्रकाश विश्नोई के सुपरवीजन में पुलिस टीम का गठन किया गया। दिनांक 19/20 फरवरी 2026 की मध्यरात्रि को थानाधिकारी बनेड़ा बछराज चौधरी मय जाप्ता गश्त

व चेकिंग पर थे। इसी दौरान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स चौकी भीलवाड़ा से सूचना मिली कि डाबला के पास आगूचा रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार को रुकवाने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन को डिवाइडर पर चढ़ाकर मौके से फरार हो गया। कुछ ही समय बाद ग्राम घरटा से सूचना मिली कि उक्त फॉर्च्यूनर कार ने गांव में एक कार व मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी है तथा चालक वाहन को इधर-उधर भगा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम गांव घरटा के खेतों की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर पहुंची, जहां क्षतिग्रस्त अवस्था में फॉर्च्यूनर कार खड़ी मिली। वाहन का टायर फटा हुआ था तथा चालक मौके से फरार हो चुका था। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें अवैध डोडा चूरा के 4 कट्टे मिले, जिनका कुल वजन 57 किलो 120 ग्राम पाया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ व वाहन को नियमानुसार जब्त कर धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण संख्या 32/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जब्त सामग्रीः

फॉर्च्यूनर कार नंबर आरजे 31 यूए 4555, डोडा चूरा के 4 कट्टे (कुल वजन 57 किलो 120 ग्राम) प्रकरण में फरार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं।

चूरू जिले में एक भी वोट चोरी नहीं हुआ, कांग्रेस के प्रतिनिधि ने भाजपा को दी क्लीन चिट!

-कांग्रेसियों को झूठ-मुट में ही निर्वाचन विभाग पर अंगुली नहीं उठानी चाहिए

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीयस्तर एवं राज्यस्तर के कांग्रेस नेताओं सहित देश-प्रदेश के कांग्रेस नेता भाजपा पर वोट चोरी करने के आरोप लगाते हुए नहीं थक रहे होंगे। वोट चोरी के आरोप लगाकर वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे बड़े धरने प्रदर्शन भी हो चुके होंगे, लेकिन चूरू जिले में एक भी वोट चोरी नहीं हुआ है। आज चूरू जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में एसआईआर -2026 के तहत मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन की जानकारी देने के लिए आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के प्रतिनिधि असलम खोखर ने वोट चोरी के मामले में भाजपा को क्लीन चिट दे दी है। यहां खोखर से पूछा गया था कि

कांग्रेस वोट चोरी के आरोप लगा रही है। इस पर खोखर ने कहा कि चूरू जिले में एक भी वोट चोरी नहीं हुआ है और इसको लेकर उन्होंने यहां कोई विरोध प्रदर्शन भी नहीं किया है। तभी जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा बोल उठे कि प्रेस कॉन्फ्रेंस इधर है। इस पर एक और सवाल उठ गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस इधर है तो उनको उधर क्यों बैठा रखा है? हालांकि भाजपा को क्लीन चिट देकर खोखर सभागार से बाहर चले गए। कुल मिलाकर यह सुखद बात है कि चूरू में वोट चोरी नहीं होते हैं। यानी यहां वास्तव में लोकतंत्र की स्थापना हो चुकी है। खोखर की बात मानकर कांग्रेस के बड़े नेताओं को भी वोट चोरी का राग अलापना छोड़ देना चाहिए। कहने का अर्थ यही है कि कांग्रेसियों को झूठ-मूट में ही निर्वाचन विभाग पर अंगुली नहीं उठानी चाहिए।

रमजान के पहले जुम्मे पर मस्जिदों में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़, अमन-चैन की मांगी दुआ

मोहम्मद अली पठान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। पवित्र माह रमजान पाक के पहले जुमे के विशेष मौके पर शुक्रवार को शहर की सभी मस्जिदों में अकीदतमंदों की बहुत भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जुम्मे की नमाज को लेकर मुस्लिम समाज में विशेष उत्साह देखने को मिला और मस्जिदें रोजेदारों के अलावा नमाजियों से खचाखच भरी नजर आई। दोपहर करीब 1 बजे जुम्मे की नमाज की अज़ान होते ही बच्चे, युवा और बुजुर्ग तथा महिलाऐ नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों की ओर रवाना हो गए। सामाजिक कार्यकर्ता मुस्ताक खान कायमखानी ने बताया की रमजान की शुरुआत के साथ ही मस्जिदों में नमाजियों और रोजेदारो की रौनक बढ़ गई और कई स्थानों पर मस्जिदें छोटी पड़ती नजर आई। शाही ईदगाह मस्जिद मैं मुख्य चीफ शहर काजी सैयद मोहम्मद अली अशरफी ने नमाज अदा करवाई, जब कि शहरिया बास चौक स्थित मस्जिद में मौलाना सैयद मोहम्मद मदनी ने नमाज पढ़ाई। दरगाह हजरत उमराव शहीद गाजी सरकार की मस्जिद में इमाम की मौजूदगी में अकीदतमंदों ने इबादत की। इसके अलावा गोसिया मस्जिद में हाफिज शाहिद रजा मिस्बाही, मालासी रोड़ स्थित मस्जिद में मुफ्ती शरीफुल कादरी अमजदी, सहित क्षेत्र की

अनैक मस्जिदों और अहले हदीस जमात की मस्जिदों के अलग-अलग इमामों ने बड़ी अकिदत के साथ नमाजियों और रोजेदारों को जुम्मे की नमाज अदा कराई गई। क्षेत्र की सबसे बड़ी कायमखानी मस्जिद में भी बड़ी संख्या में लोगों ने जुम्मे की नमाज अदा की। इस अवसर पर सभी मस्जिदों में देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर तथा हाथ मिलाकर पवित्र रमजान माह की मुबारकबाद पेश की और नेकियों व इबादत के इस पाक महीने में रोजा, नमाज और जरूरतमंदों यतीमों गरीबों बैसहारा लोगों की जकात खैरात सहित अन्य तरीके से मदद करने का संकल्प लिया। कायमखानी ने बताया की रमजान के पहले जुम्मे को लेकर क्षेत्र में धार्मिक माहौल नजर आया और देर शाम तक मस्जिदों व बाजारों में रौनक बनी रही।

बींझबायला में नियमों की धज्जियां:

सरकारी गाड़ी बीच सड़क खड़ी, बाजार में लगा जाम

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। जिले के बींझबायला कस्बे में उस समय सवाल उठने लगे जब जिला रसद अधिकारी की सरकारी गाड़ी बीच रास्ते में खड़ी कर दी गई, जिसके चलते बाजार क्षेत्र में जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ देर तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार कविता सियाग की सरकारी गाड़ी बाजार के व्यस्त मार्ग पर खड़ी कर दी गई थी। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि जिस स्थान पर वाहन खड़ा किया गया, वह पहले से ही संकरा मार्ग है, जहां थोड़ी सी लापरवाही भी जाम का कारण बन सकती है।

आमजन में नाराजगीः-

घटना के बाद बाजार में मौजूद लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि अधिकारी ही नियमों की अनदेखी करेंगे तो आम जनता से नियम पालन की उम्मीद कैसे की जा सकती है। कई लोगों ने इसे "दोहरे मापदंड" करार दिया और प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की।

ट्रैफिक व्यवस्था पर उठे सवालः-

बींझबायला का मुख्य बाजार क्षेत्र अक्सर भीड़भाड़ वाला रहता है। ऐसे में बीच सड़क वाहन खड़ा करने से न केवल जाम की स्थिति बनी, बल्कि आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस या अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए भी रास्ता अवरुद्ध हो सकता था।

क्या होगी विभागीय कार्रवाई?:-

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इस मामले में विभागीय स्तर पर कोई जांच या कार्रवाई की जाएगी? स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सामान्य व्यक्ति ऐसा करता तो चालान या दंडात्मक कार्रवाई तय थी। ऐसे में प्रशासन को निष्पक्षता दिखानी चाहिए। फिलहाल इस मामले में आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यदि विभाग की ओर से कोई स्पष्टीकरण जारी होता है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

महवा विधायक राजेंद्र मीना का जांगिड समाज के सम्मान में विधानसभा में आवाज उठाने पर जांगिड़ समाज के पदाधिकारी ने किया सम्मान

शफीक अली

महवा(रॉयल पत्रिका)। महवा विधायक राजेंद्र मीणा के जयपुर स्थित आवास पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पवार के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों ने महुवा विधायक राजेंद्र मीना से आत्मीय मुलाकात कर स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर जांगिड़ समाज के प्रतिनिधियों ने विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि जांगिड ब्राह्मण समाज प्रदेश की समृद्ध शिल्प परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर और सृजनशीलता का सशक्त प्रतीक है। समाज के कारीगरों और प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी

मेहनत, कौशल और समर्पण से न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश में पहचान बनाई है। समाज के उत्थान, शिक्षा के विस्तार और युवा सशक्तिकरण के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। विधायक राजेंद्र मीणा ने शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान भगवान श्री विश्वकर्मा जी की जयंती के पावन अवसर पर पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग मजबूती से उठाई गई। भगवान विश्वकर्मा जी सृजन, निर्माण एवं तकनीकी कौशल के आदर्श हैं और जांगिड ब्राह्मण समाज सहित समस्त शिल्पकार समुदाय की गहरी आस्था के केंद्र हैं। यह मांग समाज की भावनाओं और सम्मान से जुड़ा विषय है। विधायक राजेंद्र मीना ने आश्वस्त किया कि वे सर्व समाज के मान-सम्मान, अधिकारों और विकास से जुड़े मुद्दों को सदन में निरंतर मजबूती से उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सर्व समाज के विश्वास और आशीर्वाद से ही जनसेवा का यह दायित्व और अधिक सशक्त बनता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जांगिड समाज के गौरव और हितों की रक्षा के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

हनुमानगढ़ के गोलूवाला में बिजली विभाग पर गंभीर आरोप

-5000 रुपये से कम बकायेदारों के कनेक्शन काटे, 'चहेतों' पर मेहरबानी का दावा

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/कैंचिया (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले के गोलूवाला क्षेत्र के खोथांवाली में बिजली विभाग के लाइनमैन रघुवीर सेन और संबंधित AEN, JEN पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन उपभोक्ताओं पर ₹5000 से कम बकाया है, उनके भी बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जबकि प्रभावशाली और कथित तौर पर "निजी" लोगों पर ₹6000 से लेकर ₹1.40 लाख तक का बकाया होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई।

रिश्वत नहीं दी तो कटा कनेक्शन

ग्रामीणों का आरोप है कि जिन उपभोक्ताओं पर ₹10,000 से अधिक बकाया था, उन्होंने कथित रूप से रिश्वत देकर अपने कनेक्शन बचा लिए। वहीं जिन उपभोक्ताओं पर ₹2,000 से अधिक बकाया था और जिन्होंने "मंथली" देने से इनकार किया, उनके कनेक्शन काट दिए गए।

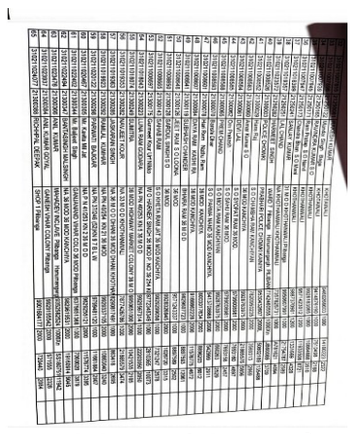

इससे क्षेत्र में भारी रोष व्याप्त है और आमजन में विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

अवैध कॉलोनी में कनेक्शन देने का आरोप

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि कैंचिया गांव में लाइनमैन रघुवीर सेन ने संबंधित JEN के साथ कथित मिलीभगत कर एक अवैध कॉलोनी में मोटी रकम लेकर बिजली कनेक्शन जारी किए। बताया जा रहा है कि जिस कॉलोनी पर प्रशासन की ओर से कार्रवाई चल रही है, वहां भी नियमों को दरकिनार कर कनेक्शन दिए गए।

निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि लाइनमैन और विभागीय एजेंट की मिलीभगत से विद्युत विभाग को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जबकि गरीब उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार

फिलहाल बिजली विभाग या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है, तो यह मामला विभागीय स्तर पर बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा साबित हो सकता है।

उम्मेद पोर्टल पर दर्ज 767 पंजीकृत संपत्तियों में से 128 ही स्वीकृत

-शेष सम्पत्तियाँ आपत्तियों के कारण लंबित, 22 मार्च तक पुनः करवाए पंजीकरण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले की वक्फ सम्पत्तियाँ—मस्जिदें, मदरसे, दरगाहें एवं कब्रिस्तान—जो दिसंबर तक उम्मेद पोर्टल पर दर्ज की गई थीं तथा राजपत्र (गजट) के अनुसार कुल 767 सम्पत्तियाँ पंजीकृत बताई गई थीं, उनमें पाई गई विभिन्न त्रुटियों के कारण पोर्टल पर अनेक आपत्तियाँ दर्ज हुई हैं। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी मनोज कुमार मीना के अनुसार अब तक केवल 128 वक्फ सम्पत्तियाँ ही स्वीकृत हो पाई हैं, जबकि शेष सम्पत्तियाँ आपत्तियों के कारण लंबित हैं। ऐसी स्थिति में सभी संबंधित वक्फ कमेटियों, मुतवल्लियों एवं प्रबंधकों से आग्रह है कि वे आवश्यक कमी-पूर्ति कर संबंधित दस्तावेजों के साथ अपनी वक्फ सम्पत्तियों—मस्जिद, मदरसा, दरगाह एवं कब्रिस्तान की भूमि—को पुनः उम्मेद पोर्टल पर विधिवत दर्ज कराएं, ताकि सम्पत्तियों की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उम्मेद पोर्टल पर आवश्यक सुधार एवं स्वीकृति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इसी क्रम में आगामी कार्ययोजना एवं दिशा-निर्देशों हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार, 22 फरवरी 2026 को बाद नमाज जौहर, मिर्जा मस्जिद, सवाई माधोपुर में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में वक्फ सम्पत्तियों से संबंधित सभी जिम्मेदार व्यक्ति, वक्फ कमेटी के सदस्य तथा उम्मेद पोर्टल पर कार्य करने वाले संबंधित सज्जनों से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया जाता है, ताकि निर्धारित समय-सीमा में समस्त कार्य पूर्ण किया जा सके और वक्फ सम्पत्तियों की हिफाजत सुनिश्चित हो सके।

अंबुजा सीमेंट निर्माण गुणवत्ता को लगातार बेहतर बना रही है

बेतुल, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर भवन निर्माण सामग्री समाधान प्रदान करने वाली 9वीं सबसे बड़ी कंपनी और विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स मध्य प्रदेश में स्थानीय निर्माण पेशेवरों को ऑन-साइट सेवाओं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान कर निर्माण गुणवत्ता को लगातार बेहतर बना रही है। बैतूल जिले के चिचोली क्षेत्र में श्री महेश यादव एक छोटे स्तर के मिस्त्री से आगे बढ़कर आज 14 सक्रिय निर्माण साइटों का संचालन करने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदार बन चुके हैं। यह सफलता उनकी मेहनत और आधुनिक निर्माण पद्धतियों से मिले अनुभव का परिणाम है। महेश यादव के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात अंबुजा सीमेंट्स के एक इंजीनियर से हुई, जिन्होंने उन्हें बांध निर्माण तकनीकों के बारे में बताया और प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इन कार्यशालाओं से उनकी तकनीकी समझ बढ़ी और परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। आज महेश यादव अपने सभी प्रोजेक्ट्स में अंबुजा सीमेंट्स के उत्पादों का उपयोग करते हैं और विशेष रूप से स्लैब कार्य के लिए अंबुजा कवच को प्राथमिकता देते हैं। उनकी लेबर्स की टीम को अंबुजा सीमेंट्स के इंजीनियरों द्वारा स्लैब कास्टिंग, भूकंप-रोधी स्टील बांधाई और इंस्टेंट मिक्स प्रपोर्शन (आईएमपी) जैसी तकनीकों पर साइट पर ही प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे निर्माण की मजबूती और एकरूपता सुनिश्चित होती है। आज आसपास की तहसीलों में गुणवत्ता आधारित कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले श्री महेश यादव अपनी सफलता का श्रेय अंबुजा सीमेंट्स को देते हैं। उनकी यह यात्रा ब्रांड की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत वह भरोसेमंद उत्पादों, पेशेवर सहयोग और निरंतर मार्गदर्शन के माध्यम से ठेकेदारों को सशक्त बना रहा है।

भोपाल में निवेशक जागरूकता अभियान 'आत्मनिर्भर' का आयोजन किया

भोपाल। सीडीएसएल इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (सीडीएसएल आईपीएफ) ने अपनी आत्मनिर्भर पहल के तहत पूंजी बाजार और डिपॉजिटरी के परिचय पर निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। यह कार्यक्रम सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया था। इन सत्रों का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को पूंजी बाजार और डिपॉजिटरी प्रणाली की बुनियादी बातों से परिचित कराना था। साथ ही जिम्मेदार निवेश, डिपॉजिटरी की भूमिका और कार्यप्रणाली और निवेशक सुरक्षा के लिए उपलब्ध सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस पहल का लक्ष्य महिला प्रतिभागियों में वित्तीय बाजारों में सूचित, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से जुड़ने का आत्मविश्वास पैदा करना था। कार्यक्रमों में प्रासंगिक उदाहरणों और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से निवेश की आवश्यक अवधारणाओं से संबंधित प्रमुख अवधारणाओं को समझाया गया, जिससे बेहतर समझ और व्यावहारिक प्रासंगिकता प्राप्त हुई। आत्मनिर्भर जैसी पहलों के माध्यम से सीडीएसएल आईपीएफ देश के विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और प्रतिभूति बाजार में सूचित भागीदारी को प्रोत्साहित करना जारी रखता है।

एक्टिव क्लोदिंग ने क्यू3 एफवाय26 में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया

मोहाली। एक्टिव क्लोदिंग कंपनी लिमिटेड भारत के अग्रणी 'डिज़ाइन-टू-शेल्फ' प्लेटफॉर्म्स में से एक, जो वैश्विक फैशन ब्रांड्स के लिए फ्लैट-निटेड स्वेटर्स, जैकेट्स और सर्कुलर-निटेड परिधानों में विशेषज्ञता रखता है, ने अपने अनऑडिटेड क्यू3 और 9एम एफवाय26 के वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, राजेश मेहरा, प्रबंध निदेशक, एक्टिव क्लोदिंग कंपनी लिमिटेड ने कहा- एफवाय26 की तीसरी तिमाही के दौरान, अपेक्षाकृत नरम मांग के माहौल के बावजूद, हमने अनुशासित निष्पादन, मजबूत ग्राहक संबंधों और हमारे एकीकृत 'डिज़ाइन-टू-शेल्फ' व्यवसाय मॉडल की मजबूती के कारण स्थिर और लचीला प्रदर्शन दिया। संचालन पर हमारे निरंतर फोकस ने हमें इस तिमाही में राजस्व और लाभप्रदता में स्वस्थ वृद्धि हासिल करने में सक्षम बनाया। एफवाय26 के पहले नौ महीनों का प्रदर्शन विशेष रूप से उत्साहजनक रहा है।

रमजान का पाक महिना हमें दूसरों के प्रति जिम्मेदारीयों का एहसास दिलाता है- अहमद अली शाह

मोहम्मद अली पठान

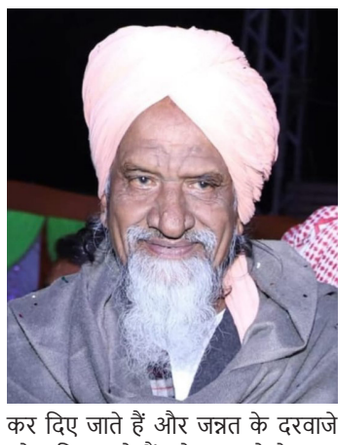

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर काजी हाजी मौलाना अहमद अली शाह ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश की कहा रमजान का पाक महीना 19 फरवरी से शुरू होकर 20 मार्च तक रमजान का महीना रहेगा। इस साल रमजान महीने में पूरे 30 रोजे रखे जाएंगे। 21 मार्च को इंशा अल्लाह, ईद-उल-फितर। इस्लामीक कैलेंडर के हिसाब से चांद दिखने पर मनाई जाएगी रमजान का 9 वां महीना होता है। मुस्लिम समुदाय में 12 माह में एक महीना रमजान का आता है। रमजान पवित्र महीने का नाम है इस एक माह में रोजे रखे जाते हैं। सूर्य उदय होने से पहले शहरी की जाती है। शहरी करते समय जो दुआ मांगी जाती है वह कबूल हो जाती है। रोजा एक इबादत है जो मर्द और औरत व बालिग बच्चौ पर फर्ज है। रोजा रखने की बरकत यह है की अल्लाह ताला उसके गुनाहों को माफ कर देता है। जब रमजान महीने का चांद नजर आता है तब जहन्नुम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। रोजा रखने के बाद रोजेदार कुरान शरीफ की तिलावत, नमाज, तराबी पढ़ कर दिन भर इबादत में गुजारता है। रमजान के पवित्र महीने में गरीबों की मदद करना, गरीब को कपड़े देना, गरीबों को खाना खिलना, जकात, फित्रा देना पुण्य का काम है। रोजा रखने से हमारे शरीर से कई बीमारियां कट जाती है। रमजान महीने पर हर शख्स पर फितरा लाजमी है। एक व्यक्ति का फितरा 2 किलो 50 ग्राम गेहूं, चावल या बाजार तौलकर जरूरतमंद इंसानों को देते हैं। रमजान का माह में जकात अपनी नेक कमाई में से 1000 रूपए पर 25 रूपए के हिसाब से जकात लगती है। सोना 7.50 तोला, ओर चांदी 52.50 तोला यदि घर में मौजूद है तो उसकी भी जकात लाजमी है। चाहे उतने वजन की रकम हो तो उसकी भी जकात लगेगी एक माह रमजान के बाद ईद का त्यौहार आता है जो मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा त्योहार होता है। माहे रमजान में 12 से 14 घंटे तक रोजा रखा जाता है, जिनसे हमारे पाचन तंत्र को आराम करने का मौका मिलता है। यूनिवर्सिटी आफ टैक्सन की। रिसर्च के मुताबिक खाली पेट रहने व कम मात्रा में खाना खाने से शरीर की सूजन कम होती है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। कई अंदरूनी बीमारियों से निजात मिलती है। लिवर अच्छा रहता है और वजन कम करने में रोजा काफी फायदेमंद होता है। रोजा फर्ज है।

कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति देशहित के विरुद्ध:

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास अस्वीकार्य - सुनिल भडारी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी, पाली के जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने कांग्रेस पार्टी एवं उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाले कृत्यों की कड़ी शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि जब संपूर्ण विश्व भारत की बढ़ती आर्थिक, तकनीकी और कूटनीतिक शक्ति को स्वीकार कर रहा है, उस समय कांग्रेस द्वारा नकारात्मक और अवरोधात्मक राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरा है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' जैसे भव्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 100 से अधिक देशों की भागीदारी, अनेक राष्ट्राध्यक्षों, नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों तथा विश्व की अग्रणी कंपनियों के सीईओ की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सहभागी राष्ट्र नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता राष्ट्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर पर अव्यवस्था फैलाना, विरोध के नाम पर कार्यक्रम की गरिमा भंग करना और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के समक्ष देश की छवि को धूमिल करने का प्रयास करना, किसी भी प्रकार से लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। यह कृत्य न केवल आयोजन का अपमान है, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं के साथ भी खिलवाड़ है।

भंडारी ने आरोप लगाया कि यह समूचा घटनाक्रम पूर्व नियोजित प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि जब-जब देश को वैश्विक मंच पर सम्मान और सराहना मिलती है, तब-तब वह निराधार आरोपों, भ्रम फैलाने और अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास करती है। चाहे वह जी-20 शिखर सम्मेलन हो, सशस्त्र बलों की वीरतापूर्ण कार्रवाइयाँ हों, या भारत की अंतरिक्ष एवं डिजिटल उपलब्धियाँ कांग्रेस ने सदैव सकारात्मक पहल का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी स्थान की ओर बढ़ रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत की छवि को एक सक्षम, नवोन्मेषी और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में देश की उपलब्धियों को कमतर आंकना या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर व्यवधान उत्पन्न करना, राजनीतिक संकीर्णता का परिचायक है।

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हो सकते हैं, परंतु राष्ट्रीय सम्मान और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा से समझौता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। देशहित के प्रश्न पर समस्त राजनीतिक दलों को एकजुट होकर सकारात्मक संदेश देना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जन-जन तक केंद्र सरकार की उपलब्धियों, भारत की वैश्विक सफलता और विकास यात्रा की सच्ची जानकारी पहुँचाएँ। साथ ही, भ्रामक प्रचार और नकारात्मक राजनीति का तथ्यों के आधार पर सशक्त उत्तर दें। भारत की प्रगति को रोकने का हर प्रयास लोकतांत्रिक तरीके से विफल किया जाएगा और देश निरंतर विकास, नवाचार एवं वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ता रहेगा।

गांव हरपालसर में श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा

-राजेंद्र सिंह राठौड़ के पिता स्वर्गीय आरएएस उत्तम सिंह राठौड़ की समृद्धि में सात दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ

सरदारशहर (रॉयल पत्रिका)। तहसील के हरपालसर गांव में भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ के पिता पूर्व आरएएस उत्तम सिंह राठौड़ की स्मृति में सात दिवसीय भागवत कथा के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा ठाकुरजी मन्दिर से कथा स्थल शिव गौशाला समिति हरपालसर तक भजन कीर्तन के साथ पहुंची। इस अवसर पर गांव में गौशाला की स्थापना की गई। कथा वाचक बालसंत भोलेबाबा ने बताया कि कथा का श्रावण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को कथा सुननी चाहिए। जिससे मनुष्य के कष्टों का निवारण होता है। भगवान की भक्ति से मनुष्य को मन की सन्तुष्टि मिलती है। इस अवसर पर चांद कंवर, विधायक हरलाल सारण, देवेन्द्र झाझडिया, बसन्त शर्मा, चन्द्राराम गुरी, वासुदेव चावला, राकेश जांगिड़, पदम सिंह, विक्रम कोटवाद, महेन्द्र न्यौल, सुरेश सारस्वत, राधेश्याम डोकवा, मदन गोपाल बालाण, मधुसूदन राजपुरोहित, हंसराज सिद्ध, पूर्व प्रधान भैरोसिंह, गिरधारीलाल पारीक, श्योकरण पोअलिया, हंसराज सिद्ध, सहित अनेक जनप्रतिनिधि सामाजिक व्यक्ति कथा में पहुंचे और राजेंद्र

राठौड़ परिवार द्वारा 31 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग दिया गया. इस अवसर पर सैंकड़ो व्यक्तियों ने अपनी आर्थिक क्षमता से दान दिया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने आयोजन को की त्यारियों में लगे कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आयोजक रघुवीर सिंह राठौड़, अजयपाल सिंह राठौड़, पराक्रम सिंह, उदित राठौड़, अधिराज सिंह राठौड़, यशवर्द्धन सिंह राठौड़, कविन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र सिंह, विश्वराज सिंह राठौड़ आदि सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

एसआईआर— 2026 अंतर्गत मतदाता सूचियों का हुआ अंतिम प्रकाशन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) — 2026 अंतर्गत शनिवार को जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी ने बताया कि एसआईआर — 2026 अंतर्गत शनिवार को जिले के सादुलपुर, तारानगर, सरदारशहर, चूरू, रतनगढ़ एवं सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र की अर्हता दिनांक 01 जनवरी, 2026 के संदर्भ में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी द्वारा किया गया।

मार्च में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का श्रीगंगानगर दौरा संभावित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का मार्च माह के अंतिम सप्ताह में श्रीगंगानगर दौरा संभावित माना जा रहा है। हालांकि अभी तक दोनों नेताओं के दौरे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पार्टी स्तर पर तैयारियां शुरू होने की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र के किसान नेताओं की ओर से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को श्रीगंगानगर आने का आमंत्रण दिया गया है। केंद्र सरकार की किसान और मजदूर नीतियों के विरोध में यहां एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में किसानों और मजदूरों की समस्याओं को सीधे सुनने और समझने पर जोर रहेगा। जानकारी के मुताबिक, हाल ही में राहुल गांधी ने दिल्ली में राजस्थान, पंजाब और हरियाणा सहित कई राज्यों के किसानों से संवाद किया था। इस दौरान श्रीगंगानगर क्षेत्र के कुछ गैर-राजनीतिक किसान प्रतिनिधि भी शामिल हुए थे, जिन्होंने इलाके की प्रमुख समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इन्हीं मुद्दों को लेकर श्रीगंगानगर में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों का कहना है कि फिलहाल दौरे को लेकर आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। जैसे ही पार्टी हाईकमान से अंतिम स्वीकृति मिलेगी, विस्तृत कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि यह दौरा तय होता है तो श्रीगंगानगर सहित आसपास के क्षेत्रों की राजनीति में नई हलचल देखने को मिल सकती है, खासकर किसान मुद्दों को लेकर। फिलहाल सभी की नजरें कांग्रेस नेतृत्व की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हुई हैं।

अशोक चांडक, प्रेसिडेंट व सीईओ - आईईएसए ने कहा-आई मोमेंटम को सेमीकंडक्टर मोमेंटम से अलग नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। अशोक चांडक, प्रेसिडेंट व सीईओ, आईईएसए (इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन) ने कहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, एआई, सेमीकंडक्टर रणनीति और विश्वसनीय वैश्विक टेक्नोलॉजी साझेदारियों के मेल में एक महत्वपूर्ण पल है। 20 से ज्यादा राज्य प्रमुखों, 60 मंत्रियों, 500 ग्लोबल एआई लीडरों और 3,00,000 से ज्यादा आगंतुकों के साथ, यह समिट भारत को वैश्विक एआई रूपांतर के केन्द्र में मज़बूती से रखता है - खासकर ग्लोबल साउथ में। भारत की एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस जारी करना, इंडिया एआई फैलोशिप को 13,500 स्कॉलर्स तक बढ़ाना, और इंडिया एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट को मज़बूत करना एक व्यापक दृष्टिकोण दर्शाता है - नीति, प्रतिभा और मानक एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में, 38,000 जीपीयू पहले से ही कार्यरत हैं और आगामी महीनों में 50,000 से ज्यादा जीपीयू स्थापित किए जाएंगे, भारत तेज़ी से

सार्वभौम कम्प्यूट क्षमता बढ़ा रहा है। एआई निवेश में 200 अरब डॉलर से ज्यादा के सपोर्टेड फंड और अनुमान के साथ- मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे और आरडीआई स्कीम, आईएसएम 2.0 और इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर नीतियों में - भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते एआई ईकोसिस्टम में से एक का निर्माण कर रहा है। लेकिन इतिहास ने बार-बार यह दिखाया है कि जो देश परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों को आकार देते हैं, वे शायद ही कभी उन जैसे होते हैं जो उनके आस-पास के नैतिक और गवर्नेंस के नियमों को परिभाषित करते हैं। आज समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भाषण भारत द्वारा दोनों भूमिकाओं को एक साथ निभाने के स्पष्ट इरादे की ओर इशारा करता है - बड़े पैमाने पर एआई निर्माता और अडॉप्टर के तौर पर, तथा एक ऐसे गवर्नेंस आर्किटेक्चर के लिए एक सैद्धांतिक आवाज़ के तौर पर जो मानवता की बड़े पैमाने पर सेवा करे, न कि चुनिंदा तौर पर। आज हम एआई अपनाने के मामले में जहां खड़े हैं, उसे देखते हुए यह बिल्कुल सही तर्क है, जो बिल्कुल सही समय पर दिया गया है। वैधता पर आधारित - ग्लोबल साउथ को एआई डैवलपमेंट को अभी आकार दे रहे एकाधिकारवादी आर्किटेक्चर के खिलाफ अपना पहला सुसंगत काउंटर-नैरेटिव देता है।

सनफीस्ट यीप्पी ! का नया कैंपेन बेफिक्र होकर 'ऐसे खाओ जैसे कोई देख नहीं रहा हो'

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी शांत छवि के लिए जाने वाले जसप्रीत बुमराह ने अपना वह पक्ष दिखाया है, जिसे प्रशंसक कम ही देख पाते हैं। वह सनफीस्ट यीप्पी ! के नया कैंपेन में, जो ब्रांड के आइकॉनिक मैजिक मसाला वेरिएंट पर केंद्रित है, मस्तीभरे, चुटीले और पूरी तरह अपने असली अंदाज़ में नजर आए। ओगिल्वि द्वारा तैयार किए गए इस मैजिक मसाला कैंपेन में बुमराह पूरी तरह खुलकर यीप्पी ! नूडल्स के एक बाउल का आनंद लेते नजर आते हैं, जहां वह उस पल में पूरी तरह डूबे हुए हैं। मैजिक मसाला के बोल्ड और परिचित स्वाद में खोते हुए, बुमराह अपने पहले कभी न देखे गए अवतार में इस विचार को जीवंत करते हैं कि सबसे बेहतरीन फूड मोमेंट वही होते हैं, जब आप 'ऐसे खाओ जैसे कोई देख नहीं रहा हो'। कैंपेन से जुड़ने के अपने अनुभव को साझा करते हुए जसप्रीत बुमराह ने कहा, मुझे इस फिल्म की सबसे अच्छी बात ये लगी कि ये बिल्कुल वास्तविकता के करीब है। मैदान के बाहर मुझे बिल्कुल अपने जैसा रहने का मौका मिला। कोई एक्टिंग नहीं, बस अपने पसंदीदा यीप्पी ! नूडल्स का मैं उसी अंदाज़ में मज़ा ले रहा हूं, जैसा मुझे पसंद है। कैंपेन पर बात करते हुए सुरेश चंद, वाइस प्रेसिडेंट और हेड ऑफ मार्केटिंग ङ्क स्नैक्स, नूडल्स एवं पास्ता, फूड्स बिजनेस, आइटीसी लिमिटेड, ने कहा, यीप्पी ! हमेशा से मानता रहा है कि खाना मजेदार और स्वाद से भरपूर होना चाहिए। इस कैंपेन में कोई नियम नहीं थे। बुमराह पूरी तरह सहज थे और उन्होंने अपने उस मस्तीभरे फूडी अंदाज़ को सामने रखा, जिसे हममें से किसी ने पहले नहीं देखा था। उन्होंने खाने की उस खुशी को

जीवंत कर दिया, जहां स्वाद हावी हो जाता है और बाकी कुछ मायने नहीं रखता। रोजमर्रा की सहजता से जुड़ी यह फिल्म उस सच्चाई का जश्न मनाती है, जिसके लिए यीप्पी ! हमेशा खड़ा रहा है—यानी जब स्वाद सही हो, तो झिझक खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है। खुलकर चटकारे लेना, स्वाद लेना और बेफिक्र होकर खाने का आनंद लेना इस फिल्म का केंद्र है, जो यीप्पी ! के इस विश्वास को मजबूत करता है कि खाना सजाने के लिए नहीं, बल्कि अनुभव करने के लिए होता है। ओगिल्वि के एक प्रवक्ता ने कहा, आइडिया सरल था—बुमराह को पूरी तरह अनफिल्टर्ड अंदाज़ में यीप्पी ! मैजिक मसाला का आनंद लेते हुए दिखाना। कोई नियम नहीं, कोई स्टाइलिंग नहीं—बस अपने पसंदीदा खाने का सच्चा आनंद।

फ़ोनपे ने यूपीआई पेमेंट्स के लिए लॉन्च किया बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन

उपभोक्ता अब 5,000 तक के ट्रांज़ेक्शन के लिए यूपीआई पिन की जगह फ़िंगरप्रिंट या फ़ेस ऑथेंटिकेशन जैसे यूज़र-फ़्रेंडली

मुंबई, एजेंसी। फ़ोनपे ने यूपीआई पेमेंट्स के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे यूज़र्स को पहले से कहीं तेज़ और पेमेंट एक्सपीरियंस मिलेगा। यह नया फ़ीचर यूज़र्स को उनके स्मार्टफ़ोन पर पहले से मौजूद सुरक्षा प्रणाली जैसे कि फिंगरप्रिंट या फ़ेस रिकग्निशन का उपयोग करके ट्रांजेक्शन को ऑथराइज़ करने की सुविधा देता है। इससे, अब पेमेंट के लिए मैन्युअल रूप से यूपीआई पिन डालने की ज़रूरत नहीं होगी। इसे लॉन्च के साथ, फ़ोनपे उन चुनिंदा बड़ी कंपनियों में शामिल हो गया है जो इस फ़ीचर को इतने बड़े स्तर पर मार्केट में लेकर आई हैं। यह फ़ीचर, यूज़र को पेमेंट में आने वाली आम समस्याओं को दूर करके डिजिटल पेमेंट की सुरक्षा और उस पर भरोसे, दोनों को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह डिवाइस-लेवल बायोमेट्रिक वेरिफ़िकेशन के उपयोग से सुनिश्चित करता है कि यूज़र्स भीड़ वाली जगहों पर भी सुरक्षित ट्रांजेक्शन कर सकें। इस फ़ीचर से, यूज़र्स का पिन, ट्रांज़ेक्शन के समय किसी अन्य व्यक्ति के देख लेने या लीक होने का खतरा खत्म हो जाएगा। सुरक्षा के साथ-साथ, यह फ़ीचर पेमेंट असफल होने की समस्या को भी काफ़ी कम कर देता है, क्योंकि अक्सर लोग पिन भूलने या गलत पिन टाइप करने की वजह से ट्रांज़ेक्शन नहीं कर पाते थे। यूज़र्स के एक जैसा एक्सपीरियंस को बनाए रखने के लिए, इसमें एक आसान फ़ॉल-बैक मैकेनिज्म भी शामिल है। इसका मतलब है कि अगर कम रोशनी या सेंसर की समस्या के कारण बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन नहीं हो पाता है, तो यूज़र्स के पास तुरंत अपने यूपीआई पिन को उपयोग करने का विकल्प भी होगा। वर्तमान रेगुलेटरी गाइडलाइन्स का पालन करते हुए यह वन-टच फ़ीचर, डिवाइस-लेवल बायोमेट्रिक वेरिफ़िकेशन का उपयोग करता है। यह 5,000 तक के यूपीआई ट्रांज़ेक्शन के लिए एक सुरक्षित टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन लेयर के रूप में काम करता है। हालाँकि, इससे ज़्यादा राशि के ट्रांज़ेक्शन की सुरक्षा के लिए यूज़र्स को यूपीआई पिन का ही उपयोग करना होगा। यूज़र्स अपने रोज़ के कामों जैसे, एक अकाउंट से दूसरे में पैसे भेजने , स्टोर पर क्यूआर स्कैन करने, ऑनलाइन पेमेंट करने और यहाँ तक कि बैंक बैलेंस चेक करने के लिए भी इस बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन का उपयोग कर सकेंगे। इसके लॉन्च के मौके पर बोलते हुए, फ़ोनपे के हेड ऑफ़ पेमेंट्स, दीप अग्रवाल ने कहा, फ़ोनपे में हमारा लक्ष्य हमेशा से डिजिटल पेमेंट्स को सभी भारतीय के लिए बेहद सहज और सुलभ बनाना रहा है। रुकावट वाले पेमेंट एक्सपीरियंस की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह फ़ीचर न सिर्फ़ समय बचाता है, बल्कि इससे यूज़र्स को हार्डवेयर-लेवल की सुरक्षा भी मिलती है, जो उनके रोज़ के ट्रांज़ेक्शन को सुरक्षित बनाती है। हमारा मानना है कि पेमेंट के प्रोसेस से सामान्य रुकावटों को दूर करके, हम डिजिटल पेमेंट्स को हर किसी के लिए और अधिक आसान और सुरक्षित बना रहे हैं।

हर सफर के लिए बेहतरीन, फोक्सवैगन की वर्सटाइल लक्ज़री एसयूवी टेरॉन आर-लाइन भारत में दाखिल

शुरूआती कीमत सिर्फ 46.99 लाख

मुंबई, एजेंसी। फोक्सवैगन इंडिया ने अपनी नई लग्जरी एसयूवी टेरॉन आर-लाइन की शुरूआती कीमत 46,99,000 (एक्स-शोरूम) घोषित कर दी है। यह कार उन भारतीय ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो एक ऐसी गाड़ी चाहते हैं जो उनकी लाइफस्टाइल और महत्वाकांक्षाओं से मेल खाती हो। शानदार डिज़ाइन, दमदार परफॉरमेंस, इस्तेमाल में आसान, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और बेमिसाल आराम के साथ, एसयूवी टेरॉन आर-लाइन आपकी हर उम्मीद और ज़रूरत को पूरा करने के लिए तैयार है।

अपने दमदार आर-लाइन स्टाइल और शानदार इंटीरियर के साथ, यह कार फोक्सवैगन के खास डिज़ाइन डीएनए की पहचान है। यह न सिर्फ लक्ज़री देती है, बल्कि रोज़ाना इस्तेमाल के लिए भी उतनी ही आरामदायक है। अपनी बेहतरीन इंजीनियरिंग, ज़बरदस्त परफॉरमेंस और सादगी भरी खूबसूरती के साथ, यह हर सफर के लिए फिट एसयूवी उन खास खूबियों को दर्शाती है जिनके लिए फोक्सवैगन दुनिया भर में मशहूर है।

लॉन्च के अवसर पर फोक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, श्री नितिन कोहली ने कहा,

टेरॉन आर-लाइन हमारी उस सोच का प्रतीक है, जिसके तहत हम ऐसी शानदार प्रीमियम कारें बनाना चाहते हैं जो ग्राहकों की ज़िंदगी में सही मायने में वैल्यू जोड़ती हैं। यह उन लोगों के लिए बनाई गई है जो लक्ज़री के साथ-साथ दमदार परफॉरमेंस को भी अहमियत देते हैं और अपनी आधुनिक सोच के हिसाब से गाड़ी चुनना चाहते हैं।

'सांड की आंख' से लेकर 'पिंक' तक

तापसी पन्नू

की इन फिल्मों ने बदला समाज का नजरिया

भारतीय सिनेमा पर लंबे समय से अभिनेताओं और बड़े स्तर की फिल्मों का कब्जा रहा है, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की और दर्शक भी खुद को थिएटर में सीटी बजाने से नहीं रोक पाए। अब बदलते समय के साथ महिला प्रधान फिल्मों ने भी हिंदी सिनेमा में अलग जगह बना ली है और लगभग हर अभिनेत्री बिना किसी मेन लीड के सहारे फिल्मों में अपनी धाक जमा रही है। आज तापसी पन्नू की 'अस्सी' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और अगर उनके करियर के पन्नों को पलटा जाए तो उन्होंने कई ऐसी महिला प्रधान फिल्में की हैं, जिन्होंने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। सिर्फ सिनेमाघर ही नहीं, बल्कि ओटीटी पर भी तापसी ने महिला प्रधान फिल्मों से फैंस का दिल जीता है। उनकी साल 2019 में आई 'बदला' ने ओटीटी पर नई लहर की शुरुआत की थी, जिसमें अपने प्रेमी के ही मर्डर केस में फंसी तापसी खुद के बेकसूर साबित करने की लड़ाई लड़ती हैं। 'बदला' में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी और आईएमडीबी पर रेटिंग 7.7 थी। 'बदला' से पहले तापसी ने 'पिंक' में काम किया था, जिसका डायलॉग 'नो मींस नो' ने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया था। फिल्म में महिलाओं की मर्जी और उनकी भावनाओं को तवज्जो दी थी और समाज की संकीर्ण धारणाओं पर प्रहार किया था। साल 2020 में तापसी 'थप्पड़' को लेकर आई, जिसमें महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को उजागर किया गया और बताया गया कि शुरुआत एक थप्पड़ से ही होती है। फिल्म में सिर्फ 'एक थप्पड़' के कारण रिश्तों और सम्मान के सवाल को उठाया गया है, जिसके लिए इसे खूब सराहना मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और वर्ल्ड वाइड 44 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। 'सांड की आंख' फिल्म को भी नहीं भुलाया जा सकता है, जिसमें तापसी ने प्रकाशी तोमर का रोल निभाया था। यह फिल्म साठ साल की दो बहनों चंद्रो और प्रकाशी के जीवन पर बनी थी, जो 60 साल की उम्र के बाद निशानेबाजी में आई और कई पुरस्कार भी अपने नाम किए। फिल्म में पितृसत्तात्मक और रुढ़िवादी सोच को भी बखूबी दिखाया गया। साल 2021 में आई रश्मि रॉकेट भले ही पर्दे पर कमाल नहीं कर पाई, लेकिन फिल्म भारतीय महिला खिलाड़ियों के संघर्ष पर बनी है।

'भूत बंगला' में अक्षय के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी

मिथिला पालकर

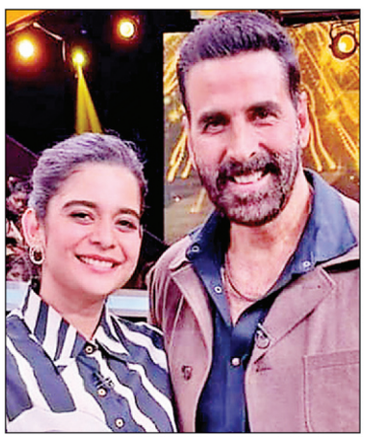

भूत बंगला' 2026 की उन फिल्मों में से है जिसका दर्शकों को सबसे ज्यादा इंतजार है। इसकी सबसे बड़ी वजह है बॉलीवुड की 'ओजी' जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की 16 साल बाद हो रही धमाकेदार वापसी। 'बालाजी मोशन पिक्चर्स' के बैनर तले बन रही इस फिल्म ने उन फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्में देख-देखकर बड़े हुए हैं। हर कोई उस सिग्नेचर ह्यूमर और हंसी के जादू को दोबारा पर्दे पर देखने के लिए बेताब है जिसने पिछली कई फिल्मों को यादगार बनाया था। इस इंतजार को और बढ़ाते हुए अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म की कास्ट में एक नया नाम जोड़ा हैः मिथिला पालकर। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस फ्रेश कास्टिंग ने कहानी में एक नया एंगल जोड़ दिया है, और अब फैंस बस इस जोड़ी के ऑन-स्क्रीन मैजिक का इंतजार कर रहे हैं। अक्षय कुमार ने खुद इस बारे में बताते हुए कहा, 'मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। और जल्द ही, वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूँ, गेस कीजिए कौन? मैं खुद! 'भूत बंगला' में मिथिला 'भूत' का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी। '

यश का खूँखार अवतार! 'टॉक्सिक' के टीज़र में दिखा KGF स्टार का रोंगटे खड़े करने वाला कमबैक

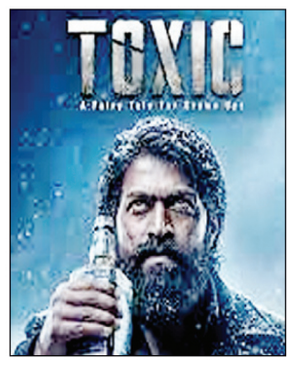

यश की आने वाली फ़िल्म, टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का टीज़र अब आ गया है। कन्नड़ सुपरस्टार ने ज़बरदस्त एक्शन किया है, जिसमें वह एक डरावने अवतार में मारते, मारते और मुक्के मारते हैं। टॉक्सिक से यश 2022 मे' KGF 2 के चार साल बाद फ़िल्मों में वापसी कर रहे हैं। कन्नड़ सिनेमा के 'रॉकिंग स्टार' यश एक बार फिर बड़े पर्दे पर तबाही मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' का दमदार टीज़र आज, 20 फरवरी 2026 को जारी कर दिया गया है। साल 2022 में आई KGF2' की ऐतिहासिक सफलता के चार साल बाद, यश इस फिल्म के साथ अपनी खौफनाक वापसी कर रहे हैं। यश की आने वाली फ़िल्म, टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का टीज़र अब आ गया है। कन्नड़ सुपरस्टार ने ज़बरदस्त एक्शन किया है, जिसमें वह एक डरावने अवतार में मारते, मारते और मुक्के मारते हैं। टॉक्सिक से यश 2022 में KGF 2 के चार साल बाद फ़िल्मों में वापसी कर रहे हैं। टॉक्सिक का टीज़र यश की कुछ धुंधली झलकियों के साथ शुरू होता है। इसके तुरंत बाद, यश को राया के रूप में दिखाया जाता है, जो अपना गुस्सा दिखाता है। टीज़र में 19 मार्च को दर्शकों के लिए रखे गए एक्शन, स्टाइल और खून-खराबे की झलकियाँ हैं।

अनुराग कश्यप और बॉबी देओल की 'बंदर' का फैंस को इंतजार खत्म, 22 मई 2026 को बड़े पर्दे पर होगी रिलीज

2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक, 'बंदर', 22 मई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में नजर आएंगे, और उनके साथ जुड़ रही है एक जबरदस्त क्रिएटिव टीम जिसका नेतृत्व डायरेक्टर अनुराग कश्यप और लेखक सुदीप शर्मा व अभिषेक बनर्जी कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से धमाका करने के बाद, बॉबी देओल इस इंटेंस ड्रामा में एक बिल्कुल अलग अंदाज में दिखने वाले हैं। इस फिल्म को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है और इसके पीछे ज़ी स्टूडियोज का बड़ा हाथ है।'बंदर' की कमान अनुराग कश्यप के हाथों में है, जिन्हें उनकी बेबाक और बेखौफ कहानियों के लिए जाना जाता है। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'ब्लैक फ्राइडे' जैसी फिल्में गवाह हैं कि अनुराग का सिनेमा दिखाने का अपना एक अलग और दमदार अंदाज है।इस फिल्म को सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसे बेहतरीन प्रोजेक्ट्स के पीछे का दिमाग रहे हैं। सुदीप शर्मा ने हाल ही में 'कोहरा 2' का निर्देशन भी किया है, जिसकी हर तरफ जमकर तारीफ हुई है। 'बंदर' ने अपनी रिलीज से पहले ही पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। 2025 के 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (TIFF) में 'स्पेशल प्रेजेंटेशन' कैटेगरी में इसके प्रीमियर के बाद से ही फिल्म की काफी चर्चा है। वहां मौजूद क्रिटिक्स ने इसे 'दिल दहला देने वाली, बेबाक और गहरा असर छोड़ने वाली' फिल्म बताया है, जिससे यह फेस्टिवल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी तगड़ी है। इसमें सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, सपना पब्बी, इंद्रजीत सुकुमारन, रिद्धि सेन और नागेश भोसले जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कमाल की क्रिएटिव टीम और बेहतरीन एक्टर्स के साथ, 'बंदर' 2026 की सबसे बड़ी और खास फिल्मों में से एक मानी जा रही है!

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार? फर्स्ट लुक से बढ़ी अटकलें

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल द वार्डरोब थ्रिलर का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं – क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में राजनीश भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज़ उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं। बिग बॉस और ओटीटी की विनर रह चुकी दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

'नैना' की कहानी मेरी भी कहानी है, संदीपा धर ने फिल्म की रिलीज पर बयां किया अपना दर्द

रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा अभिनेत्री संदीपा धर ने दमदार किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने रिलीज के दिन सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने दिल की बात बयां की। अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर कुछ बीटीएस तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें वे नैना के किरदार में नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके साथ मृणाल, सिद्धांत और फिल्म के अन्य कलाकार भी नजर आ रहे हैं। संदीपा ने लिखा, 'नैना अब आपकी है। मैं करीब एक साल से इस किरदार के साथ जुड़ी हुई हूं। इसने मुझे उन बातों पर सोचने को मजबूर कर दिया, जिनसे मैं भागना चाहती थी। उन्होंने लिखा कि अक्सर हम लोग किसी को पसंद आने के लिए अपने आपको बदलने लगते हैं और फिर भी लगता है कि हम अच्छे नहीं हैं। आईने में देखकर सिर्फ अपनी कमियां ही क्यों दिखती हैं? उन्होंने लिखा, 'नैना की कहानी मेरी कहानी है। शायद आपकी भी। मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है। मैं भी सीख रही हूं, लेकिन इतना जरूर जानती हूं कि हमें बार-बार उन लोगों को अपनी वैल्यू साबित करने की जरूरत नहीं, हमें कभी समझ ही नहीं पाएंगे। हमें अपनी किस्मत खुद समझनी चाहिए।

मैं फेल हो सकती हूं मगर हार नहीं मानूंगी

पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं।

(साभार एजेंसी)

पीसीबी बोला- शादाब दिग्गज पाक खिलाड़ियों पर कमेंट न करें

क्रिकेटर ने कहा था- सीनियर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, हमने हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा

रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर शादाब खान को अपने बयान के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। शादाब ने कहा था कि पाकिस्तान के सीनियर प्लेयर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, लेकिन हमनें हराया है।

शादाब का इशारा 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भारत पर जीत को लेकर था। अब पीसीबी ने पूर्व खिलाड़ियों की आलोचना पर दिए शादाब के बयान को अनुचित माना है। बोर्ड ने शादाब को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की सलाह दी है।

यह पूरा मामला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद हुई पाकिस्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस से शुरू हुआ, जहां शादाब ने पूर्व क्रिकेटरों पर बयान दिया था। इस मैच में पाकिस्तान ने नामीबिया से जीत हासिल की थी। वहीं, इससे पिछले मैच में पाकिस्तान को भारत से 61 रन से हार था।

शादाब ने कहा था- जो हमने किया, वो दिग्गज भी नहीं कर सके- नामीबिया के खिलाफ 36 रन बनाने और 3 विकेट लेने के बाद शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, आलोचना क्रिकेट के इतिहास का हिस्सा है। पूर्व क्रिकेटर्स की अपनी राय है। वे दिग्गज थे, लेकिन हमने जो किया, वे नहीं कर सके।

मैनेजमेंट की अन्य खिलाड़ियों को भी चेतावनी- पीसीबी ने सिर्फ शादाब ही नहीं, बल्कि पूरी टीम को नसीहत दी है। टीम मैनेजर को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी खिलाड़ियों को समझाएं कि वे अपनी टिप्पणियों को सिर्फ मैच तक ही सीमित रखें। अगर कोई खिलाड़ी दोबारा मर्यादा लांघता है तो बोर्ड उस पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने भी शादाब के बयान को गैरजरूरी बताया और कहा कि दिग्गजों के खिलाफ बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए। भारत से हार के बाद पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप के आखिरी लीग मैच में नामीबिया को 102 रन सो हराकर सुपर-8 में अपना स्थान पक्का किया।

सुपर-8 टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

● वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप में भारी पड़ा, साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के बाद 8 टीमें सेकेंड राउंड में पहुंच चुकी हैं। यहां 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के ग्रुप में रखा है। विंडीज को छोड़कर बाकी दोनों टीमों के खिलाफ भारत का वर्ल्ड कप रिकॉर्ड अच्छा है।

सुपर-8 स्टेज की तीनों टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

● **साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया-** सुपर-8 स्टेज में टीम इंडिया का पहला मैच 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से होना है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमों ने 8 टी-20 खेले, 6 में भारत और महज 2 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में दोनों टीमें 7 बार भिड़ीं, 5 में भारत और 2 में ही साउथ अफ्रीका जीत सका। टीम इंडिया ने 2014 के सेमीफाइनल और 2024 के फाइनल में प्रोटियाज टीम को ही हराया था। ओवरऑल टी-20 में भी भारत ने साउथ अफ्रीका को 60 प्रतिशत मैच हराए हैं।

● **जिम्बाब्वे ने चैंपियन बनने के बाद हराया-** टीम इंडिया का दूसरा मैच 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होना है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से ही शुरू होगा। 29 जून

2024 को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर ही गई। जहां होम टीम ने पहले ही मुकाबले में भारत को 102 रन पर समेटकर 13 रन से मुकाबला जीत लिया। हालांकि, सीरीज 4-1 से भारत के नाम रही।टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें इकलौती बार 2022 में भिड़ी थीं। मेलबर्न में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल की फिफ्टी के सहारे 186 रन बना दिए। जवाब में जिम्बाब्वे 115 रन ही बना सका। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 13 टी-20 हुए, महज 3 में जिम्बाब्वे को जीत मिल सकी।

● **वेस्टइंडीज 2016 का सेमीफाइनल हरा चुका-** टीम इंडिया का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में यह मुकाबला भी शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमें एक बार भी नहीं भिड़ीं, दोनों टीमें 2024 के आईसीसी टूर्नामेंट में भी आमने-सामने नहीं हो सकी थीं। भारत ने वेस्टइंडीज को ओवरऑल 63 प्रतिशत टी-20 मैच हराए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का पलड़ा ही भारी रहा। आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमें 2009 में पहली बार भिड़ी थीं, तब लॉर्ड्स में भारत 7 विकेट से हार गया। 2010 में भी विंडीज 14 रन से जीता। भारत को इकलौती जीत 2014 में मिली, तब टीम 7 विकेट से जीती थी। दोनों टीमें 2016 में मुंबई के मैदान पर सेमीफाइनल में भी आमने-सामने हुईं। भारत ने विराट कोहली के 89 रन की मदद से 192 रन बनाए, विंडीज ने 2 गेंदें बाकी रहते हुए 7 विकेट से मुकाबला जीता और भारत को बाहर कर दिया।

सभी टेबल टॉपर भारत के ग्रुप में

सुपर-8 से पहले ग्रुप स्टेज में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत ग्रुप-ए में सभी मैच जीतकर टॉप पर रहा। टीम इंडिया के सुपर-8 ग्रुप में शामिल जिम्बाब्वे ग्रुप-बी, वेस्टइंडीज ग्रुप-सी और साउथ अफ्रीका ग्रुप-डी में सभी मैच जीतकर नंबर-1 पर रहा। यानी टीम इंडिया के ग्रुप-1 में सभी अजेय टीमें हैं। दूसरी ओर ग्रुप-2 में शामिल श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में 1-1 हार जरूर मिली।

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे पर जीत हासिल की, सेल्टिक हारा

लंदन (एजेंसी)। नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की। फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया।

वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली। विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वत- ही अंतिम 16 में पहुंच गई जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी। दूसरा चरण अगले बृहस्पतिवार को होना है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी है।

अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर 8 चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है।

अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था।

उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो 6 रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी। अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।

उन्होंने कहा कि इस तरह आउट होने से पहले ऐसा कोई डेटा नहीं है जो यह बताए कि ऑफ-स्पिनर उन्हें हमेशा परेशान करते हैं। कोच ने कहा, वह आम तौर पर ऑफ-स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा है। हालांकि विकेटों का धीमा होना उनकी आउट होने का कारण बन सकता है क्योंकि उनके बल्ले की स्विंग बहुत तेज है, जिससे उन्हें तेज गेंदबाजों के मुफीद ट्रैक पर बहुत सफलता मिलती है।

अभिषेक के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत से यह पहला चरण हैं जहां उन्हें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यहीं पर बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का भूमिका अहम हो जाती है। अभिषेक के आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व को देखते हुए साफ लगता है कि वह कुछ निराशाओं से हिलने वाले नहीं हैं लेकिन उन्हें पता होगा कि भारत के टी20 विश्व कप अभियान का एक बड़ा हिस्सा उनकी शुरुआत पर निर्भर करता है।

ऑस्ट्रेलिया टूर विवाद

पाकिस्तान ने कप्तान बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध हटाया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया और इस कदम को 'अवैध और असंवैधानिक' करार दिया।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले बृहस्पतिवार को तारिक बुगती ने हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कुप्रबंधन

के खिलाफ कप्तान के क्लास की आलोचना करने के लिए बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन पीएचएफ के सरंक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहुयदीन अहमद वानी ने इस फैसले को पलट दिया और कहा कि यह बुगती का अवैध और असंवैधानिक कदम था। राष्ट्रीय टीम के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद हुए विवाद के मद्देनजर बुगती ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम को लॉजिस्टिक की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था और उन्हें एयरबीएनबी के घरों में रहना पड़ा था जबकि सरकार द्वारा संचालित पाकिस्तान खेल बोर्ड ने कैनबरा में एफआईएच प्रो लीग मैचों के दौरान टीम के पांच सितारा होटल में रहने के लिए पीएचएफ को एक करोड़ रुपये दिए थे। खेल से जुड़े सभी मामलों को देखने वाली अंतर-प्रांतीय समन्वयक मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टिक की कि प्रधानमंत्री शरीफ ने तुरंत बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को पीएचएफ का तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

वुमैन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप

श्रीलंका को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत, पाकिस्तान से हो सकता है खिताबी मुकाबला

बैंकॉक (एजेंसी)। कप्तान राधा यादव ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए भारत ए की टीम को शुक्रवार को यहां श्रीलंका ए पर पांच विकेट से जीत दिलाकर वुमैन्स राइजिंग स्टार्स टी20 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा दिया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन यह उस पर भारी पड़ गया। राधा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर आउट कर दिया। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। राधा को एक और बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (20 रन देकर दो विकेट) और लेग स्पिनर प्रेमा रावत (नौ रन देकर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला।

श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी (31 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन इसके बाद वे भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सकीं और बचे हुए आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी भागीदारी काविंदी और साथी सलामी बल्लेबाज हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की साझेदारी रही।

लक्ष्य का पीछा करते समय भारत ने एक समय 21 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद उसे ज्यादा परेशानी नहीं हुई। टीम के लिए वृंदा दिनेश 42 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। लेकिन राधा ने बल्लेबाजी में योगदान करते हुए 18 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 31 रन बनाए जिससे भारत ने 13.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद ली भावुक विदाई

चेन्नई (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए।

अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। इंग्लैंड के ट्रॉट ने अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए उस टीम के साथ अपने कार्यकाल को याद किया जो अब सफेद गेंद के प्रारूप में एक कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। ट्रॉट के नेतृत्व में अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के काफी करीब पहुंची और 2024 टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई।

उन्होंने मैच के बाद बातचीत में कहा, शायद

समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे यह मौका वास्तव में सिर्फ सौभाग्य से मिला। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। ट्रॉट ने कहा, फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है।

दक्षिण अफ्रीका में जन्मे ट्रॉट ने कहा कि उनके लिए सबसे अच्छी चीज खिलाड़ियों के व्यक्तिगत विकास को देखना था। उन्होंने कहा, इस कार्यकाल में मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मैं खिलाड़ियों के मैदान के बाहर के विकास को भी देख सका। उनके जीवन में बदलाव आता है, सिर्फ खेल में ही नहीं बल्कि खिलाड़ी अपने परिवार की किस्मत और दिशा बदल सकते हैं।% उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि इस खेल के माध्यम से हमने यह देखा और इसमें छोटा सा हिस्सा निभाना बहुत संतोषजनक है।

यह पूछने पर कि टूर्नामेंट के दौरान टीम के प्रदर्शन पर वह भावुक हुए तो ट्रॉट ने यह बात स्वीकार की और कहा, हमें कभी-कभी दुभाग्यशाली रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हम जीत सकते थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो सुपर ओवर के बाद मिली हार का जिक्र करते हुए कहा, अगर हम वह मैच सामान्य समय में जीत गए होते तो दक्षिण अफ्रीका अगला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ कैसा खेलती।

ट्रंप ने यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी करने का निर्देश दिया

» वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पेंटागन और अन्य सरकारी एजेंसियों को परग्रही जीवों (एलियन्स) और यूएफओ से संबंधित फाइल की पहचान करके उन्हें सार्वजनिक करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि इन विषयों में लोगों की गहरी रुचि है। ट्रंप ने यह घोषणा एक सोशल मीडिया पोस्ट में की। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर हाल में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में परग्रही जीवों के वास्तव में होने का संकेत देकर गोपनीय जानकारी उजागर करने का आरोप लगाया था। एयर फोर्स वन विमान में संवाददाताओं से बातचीत में ट्रंप ने कहा, **मुझे नहीं पता कि परग्रही जीव वास्तव में हैं या नहीं। उन्होंने ओबामा के संदर्भ में कहा, मैं गोपनीयता हटाकर शायद उन्हें मुसीबत से बाहर निकाल दूं।**

अपने सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि वह एजेंसियों को एलियन और बाह्य-स्थलीय जीवन, अज्ञात हवाई घटनाएं (यूएपी), अज्ञात उडन् तश्तरियों (यूएफओ) और इन अत्यंत जटिल लेकिन बेहद रोचक और महत्वपूर्ण मामलों से जुड़ी सभी सूचनाएं जारी करने का निर्देश दे रहे हैं। ओबामा ने सप्ताहांत में एक पॉडकास्ट में अपनी टिप्पणी के बाद स्पष्ट किया था कि उन्होंने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं देखा है कि परग्रही जीव हमारे संपर्क में आए हैं। हालांकि उन्होंने कहा ब्रह्मांड इतना विशाल है कि बाहर जीवन होने की संभावना प्रबल है। ट्रंप ने कहा, इस पर मेरी कोई राय नहीं है। मैं इस बारे में कभी बात नहीं करता। बहुत से लोग करते हैं। बहुत से लोग इस पर विश्वास करते हैं। इस बीच, ट्रंप की पुत्रवधू लारा ट्रंप ने एक पॉडकास्ट में संकेत दिया कि राष्ट्रपति इस विषय पर उचित समय पर भाषण देने के लिए तैयार हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा परग्रही जीवों पर भाषण मेरे लिए भी नई बात होगी। वर्ष 2017 में पेंटागन के पूर्व अफसरों और सरकारी अधिकारियों द्वारा नौसेना के अज्ञात वस्तुओं के वीडियो द न्यूयार्क टाइम्स और पॉलिटिको को लीक किए जाने के बाद यूएफओ और बाह्य-स्थलीय जीवन से जुड़े रहस्यों को लेकर जन रुचि फिर उभरी थी। मई 2022 में अमेरिकी कांग्रेस ने 50 वर्षों में पहली बार यूएफओ पर सुनवाई की, हालांकि अधिकारियों ने कहा था कि हरे त्रिकोण जैसे दिखने वाली वस्तुएं संभवतः ड्रोन थीं। पेंटागन ने तब से अधिक पारदर्शिता का आश्वासन दिया है। जुलाई 2022 में उसने ऑल-डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस (एएआरओ) का गठन किया, जो सैन्य यूएफओ की रिपोर्ट एकत्र करने के लिए केंद्रीय इकाई है। एएआरओ के तत्कालीन प्रमुख डॉ. सीन किर्क पैट्रिक ने 2023 में कहा था कि उन्हें किसी ऐसे कार्यक्रम का कोई साक्ष्य नहीं मिला है, जो बाह्य-स्थलीय की किसी प्रकार की रिवर्स इंजीनियरिंग से संबंधित हो। जून 2024 में कांग्रेस को सौंपी गई 18 पृष्ठों की रिपोर्ट में कहा गया था कि पिछले वर्ष 485 अज्ञात घटनाओं की रिपोर्ट मिलीं, जिनमें से 118 मामलों की पहचान गुब्बारों, पक्षियों और मानवरहित हवाई प्रणालियों जैसी सामान्य वस्तुओं के रूप में की गई। रिपोर्ट में कहा गया, अब तक एएआरओ को बाह्य-स्थलीय प्राणियों, गतिविधि या प्रौद्योगिकी का कोई साक्ष्य नहीं मिला है।

एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के घर की तलाशी पूरी कर ली : पुलिस

ब्रिटेन : चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू को रिहा किया गया

» लंदन, भाषा।

सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार किए गए पूर्व राजकुमार एंड्रयू को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। टेम्स वैली पुलिस बल ने बताया कि पूर्व राजकुमार को बृहस्पतिवार शाम को रिहा किया गया। एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को उनकी गिरफ्तारी के लगभग 11 घंटे बाद पूर्वी ब्रिटेन स्थित उनके घर के पास स्थित थाने से कार में निकलते हुए देखा गया। एंड्रयू को उनके खिलाफ जांच जारी रहने के बीच रिहा किया गया है। एंड्रयू को बृहस्पतिवार तड़के उनके घर से उन जांचकर्ताओं ने गिरफ्तार किया था, जो जेफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि उसने एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के घर की तलाशी पूरी कर ली है, लेकिन एक अन्य संपत्ति की तलाशी अभी जारी है।

एंड्रयू को बृहस्पतिवार को ब्रिटेन की पुलिस ने जेफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों के कारण सार्वजनिक पद पर कदाचार के संदेह में गिरफ्तार किया। यह एक असाधारण कदम है, क्योंकि कभी यहां के अधिकारी शाही परिवार को शर्मिंदगी से बचाने की पूरी कोशिश करते थे। लगभग चार शताब्दियों में यह पहली बार था कि किसी वरिष्ठ ब्रिटिश शाही सदस्य को गिरफ्तार किया गया और इससे यह स्पष्ट होता है कि हाल के वर्षों में राजशाही के प्रति सम्मान किस प्रकार कम हो गया है। महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अपने भाई की गिरफ्तारी पर एक बयान जारी करने का असामान्य कदम उठाया। एंड्रयू को अब एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के नाम से जाना जाता है। चार्ल्स तृतीय ने कहा कि उनके भाई एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर के मामले की जांच में कानून को अपना काम करना चाहिए। लंदन के पश्चिम में स्थित क्षेत्रों, जिनमें माउंटबेटन-विंडसर का पूर्व निवास भी शामिल है, की सुरक्षा करने वाली टेम्स वैली पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि पूर्वी ब्रिटेन के नॉरफ़ॉक निवासी 60 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और वह हिरासत में है। ब्रिटेन में प्रचलित मानक प्रक्रियाओं के अनुसार, पुलिस ने संदिग्ध की पहचान उजागर नहीं की। पुलिस ने पहले कहा था कि वह उन खबरों का मूल्यांकन कर रही है जिनमें कहा गया है कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने 2010 में एप्स्टीन को व्यापारिक जानकारी भेजी थी, जब पूर्व राजकुमार ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विशेष दूत थे। एप्स्टीन एक धनी निवेशक और यौन अपराध का दोषी व्यक्ति था। दोनों व्यक्तियों के बीच हुए पत्राचार को अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले महीने के अंत में एप्स्टीन की अमेरिकी जांच से संबंधित लाखों पन्नों के दस्तावेजों के साथ जारी किया था। टेम्स वैली पुलिस के सहायक मुख्य कांस्टेबल ओलिवर राइट ने कहा, गहन मूल्यांकन के बाद, हमने सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के इस आरोप की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने यह भी बताया कि अधिकारी दो संपत्तियों की तलाशी ले रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन के नए आदेश से हजारों वैध शरणार्थियों को हिरासत में लिया जा सकता है

मिनियापोलिस, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एक नया आदेश जारी किया है जिससे देश में मौजूद उन हजारों शरणार्थियों को गिरफ्तार किया जा सकता है जो यहां वैध रूप से रह तो रहे हैं लेकिन अब तक उनका कोई स्थाई आवास नहीं है। मिनिसोटा में बृहस्पतिवार को होने वाली संघीय अदालत की सुनवाई से पहले गृह मंत्रालय (डीएचएस) द्वारा दाखिल एक मेमो में कहा गया है कि ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले शरणार्थियों को अपने आवेदनों की समीक्षा के लिए अमेरिका में प्रवेश किए जाने के एक साल बाद संघीय हिरासत में रहना होगा। बुधवार को दाखिल मेमो में कहा गया है कि डीएचएस निरीक्षण और जांच प्रक्रिया की अवधि के लिए आव्रजकों को हिरासत में रख सकता है। मानवाधिकार कार्यकर्ता और पुनर्वास समूहों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है और संभवत- इस आदेश को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इस आदेश से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका आए लगभग 200,000 शरणार्थियों के बीच भ्रम और भय पैदा हो सकता है। यह आदेश ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन पाबंदियों की श्रृंखला में हालिया कार्रवाई है। पिछले साल के अंत में एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा प्राप्त एक मेमो में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन बाइडन प्रशासन के दौरान अमेरिका में प्रवेश पाने वाले सभी शरणार्थियों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है तथा बाइडन के कार्यकाल के दौरान आए शरणार्थियों के लिए ग्रीन कार्ड की मंजूरी तुरंत निलंबित कर दी गई थी। प्रशासन ने नीति में बदलाव के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक चिंताओं का हवाला दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि देश में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों की पहले से ही व्यापक जांच-पड़ताल की जाती है।

सिंगापुर में प्रख्यात तमिल हस्तियां ग्लोबल तमिल्स अवॉर्ड से सम्मानित

सिंगापुर, भाषा। इंडोनेशिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर में रह रहे तमिल मूल के तीन व्यक्तियों तथा तमिलनाडु के एक प्राध्यापक को इस सप्ताह सिंगापुर की 74 वर्ष पुरानी एक संस्था ने दक्षिण भारतीय भाषा और संस्कृति के संवर्धन में योगदान के लिए सम्मानित किया। सिंगापुर स्थित साप्ताहिक अखबार तबला के अनुसार, तमिल्स फेस्टिवल 2026 ग्लोबल तमिल्स अवॉर्ड्स समारोह का आयोजन तमिल्स आर्ट्स एंड कल्चर सोसायटी (टीएसीएस) ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय तमिल संगठनों के सहयोग से किया। रिपोर्ट में कहा गया कि यह पहल अगली पीढ़ी के लिए तमिल भाषा, कला और संस्कृति को संरक्षित करने का संगठित प्रयास है। मंगलवार को आयोजित यह उत्सव मूल रूप से 1952 में तमिल मुरासु अखबार के संस्थापक तमिजवेल जी सरंगपाणी ने सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया था। उनका निधन हो चुका है। टीएसीएस के अध्यक्ष मा. गोविंदराजू ने कहा कि इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य 1950 के दशक में सरंगपाणी द्वारा प्रोत्साहित एकता और भाईचारे की भावना को पुनर्जीवित करना है, जो जाति और धर्म से ऊपर उठकर थी। समारोह में साहित्य, कला एवं प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में तमिल भाषा के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। तमिलनाडु के प्रोफेसर थमिलप्परिथि मारी को सोरकलंजिया सेम्मल (शब्दकोश विशेषज्ञ) पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें 174 भाषाओं के वैश्विक ऑनलाइन शब्दकोश ढांचे में तमिल को 24वें से सातवें स्थान पर पहुंचाने का श्रेय दिया गया है। उन्होंने अगले तीन वर्षों में तमिल को अंग्रेजी से आगे शीर्ष स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य जताया। इंडोनेशिया तमिल संगम के अध्यक्ष डॉ. विसागन मैलाचलम को लाइफटाइम तमिल लिटरेरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि इंडोनेशिया में तमिल शिक्षा चार से बढ़कर 10 विद्यालयों तक पहुंच चुकी है और 2026 तक 2,000 बच्चों तक तमिल शिक्षा का ज्ञान देने का लक्ष्य है। स्विट्जरलैंड स्थित तमिल कवि और लेखक डॉ. गंगाइमगन को भी इसी श्रेणी में सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

वेनेजुएला ने कैदियों को माफी की मंजूरी दी, राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए लोग हो सकेंगे रिहा

» काराकस, भाषा।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बृहस्पतिवार को आम माफी से संबंधित एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए जिससे हिरासत में लिए गए नेताओं, कार्यकर्ताओं, वकीलों और कई अन्य लोगों की रिहाई हो सकती है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने एक तरह से यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा हुआ है। राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि इससे पहले दक्षिण अमेरिकी देश के अधिकारी दशकों से किसी राजनीतिक कैदी को हिरासत में रखे जाने की बात से इनकार करते रहे हैं।

यह पिछले महीने देश की राजधानी काराकस में तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अमेरिकी सेना की कार्रवाई के बाद नीति में आया नवीनतम बदलाव है। रोड्रिगेज ने पिछले महीने के अंत में विधेयक का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने देश की विधायिका द्वारा इसे मंजूरी दिए जाने के कुछ घंटे बाद ही इस विधेयक पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया। विपक्षी सांसद नोरा ब्राचो ने चर्चा के दौरान कहा, यह एक बड़ा कदम है। इससे कई वेनेजुएलावासियों की पीड़ा कम होगी। इस कदम से विपक्षी सदस्यों, सामाजिक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और उन कई अन्य लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है जिन्हें पिछले 27 वर्षों में सत्तारूढ़ दल द्वारा निशाना बनाया गया था।

किम ने उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था की सराहना की

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी पार्टी के अहम सम्मेलन की शुरुआत करते हुए देश की अर्थव्यवस्था में हो रहे सुधार और क्षेत्रीय स्थिति की प्रशंसा की। उम्मीद की है कि किम इस सम्मेलन में अगले पांच वर्षों के लिए घरेलू और विदेश नीति का एजेंडा तय करेंगे और अपने परिवार के शासन को और मजबूत करेंगे। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी कांग्रेस की शुरुआत एक दिन पहले किम के अभिभाषण से हुई थी जिसमें उन्होंने अर्थव्यवस्था पर जोर दिया था। किम द्वारा अपने अभिभाषण में अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ गतिरोध या देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी करने की सूचना सरकारी मीडिया ने तत्काल नहीं दी।

किम ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान आयोजित 2021 की पिछली कांग्रेस के बाद से उत्तर कोरिया ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने आर्थिक लाभ और मजबूत क्षेत्रीय स्थिति का हवाला दिया। उन्होंने कहा, इससे हमारी समाजवाद के निर्माण की प्रक्रिया को और अधिक गति देने के लिए अनुकूल परिस्थितियां और स्थितियां उत्पन्न हुई। केसीएनए ने कहा कि प्योंगयांग में होने वाली कांग्रेस की बैठक का उपयोग आने वाले वर्षों के लिए प्रमुख नीतिगत लक्ष्यों को परिभाषित करने और पार्टी की संगठनात्मक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा, लेकिन एजेंडा के बारे में अधिक विशिष्ट जानकारी नहीं दी।

इजराइली बस्ती में रहने वालों ने 19 वर्षीय युवक की हत्या की : अधिकारी

» वेस्ट बैंक, भाषा।

इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों में बसे लोगों ने एक गांव पर हमले के दौरान फलस्तीनी मूल के एक अमेरिकी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय और प्रत्यक्षदर्शियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मुखमास निवासी राएद अबू अली ने बताया कि बुधवार दोपहर को बस्ती का एक समूह गांव में आया और उन्होंने एक किसान पर हमला कर दिया। निवासियों के हस्तक्षेप के बाद झड़पें हुईं।

बाद में इजराइली सेना मौके पर पहुंची और हिंसा के दौरान हथियारबंद बस्ती वालों ने 19 वर्षीय नसरल्ला अबू सियाम की हत्या कर दी और कई अन्य को घायल कर दिया। अबू अली ने कहा कि सेना ने आंसू गैस के गोले दागे और गोलियां चलाईं। फलस्तीनियों द्वारा पथराव की सूचना मिलने के बाद इजराइल की सेना ने दंगा नियंत्रण विधियों का उपयोग करने की बात स्वीकार की लेकिन झड़पों के दौरान गोलीबारी करने से इनकार किया।

मेक्सिको और अल सल्वाडोर की नौसेनाओं ने 10 टन से अधिक कोकीन जब्त की

» मेक्सिको सिटी, भाषा।

अल सल्वाडोर और मेक्सिको की नौसेनाओं ने इस सप्ताह प्रशांत महासागर में 10 टन से अधिक कोकीन जब्त किए जाने का दावा किया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी सरकार द्वारा लातिन अमेरिकी जलक्षेत्र में मादक पदार्थ ले जाने के संदेह में नौकाओं पर किए गए घातक हमलों में इस सप्ताह 11 लोगों की मौत हुई है। प्रशांत महासागर में कोकीन जब्त किए जाने की घोषणा बृहस्पतिवार को मेक्सिको की ओर से की गई। इसमें बताया गया कि मंजानिलो बंदरगाह से लगभग 250 समुद्री मील (463 किलोमीटर) दक्षिण में एक नौका से करीब चार टन संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त कर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।

मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ओमार गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि तीन मोटरों वाली इस नौका से बरामदगी के साथ इस सप्ताह की कुल जब्ती लगभग 10 टन हो गई है। अन्य बरामदगी का विवरण नहीं दिया गया। मेक्सिको के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई यूएस नॉर्दर्न कमांड और यूएस जॉइंट इंटरएजेंसी टास्क फोर्स साउथ से साझा की गई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। रविवार को अल सल्वाडोर की नौसेना ने देश के इतिहास में सबसे बड़ी 6.6 टन कोकीन जब्ती की घोषणा की थी। नौसेना ने तंजानिया में पंजीकृत 180 फुट लंबी एक नौका को तट से 380 मील (611 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में रोका। गोताखोरों को नौका में छिपाए गए

330 पैकेट कोकीन मिले। इस कार्रवाई में कोलंबिया, निकारागुआ, पनामा और इक्वाडोर के 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। बृहस्पतिवार को अल सल्वाडोर के अधिकारियों ने जब्त पोत एफएमएस ईगल को ला यूनियन बंदरगाह पर मीडिया के लिए प्रदर्शित किया, जहां डेक पर 200 से अधिक पैकेट रखे गए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पिछले वर्ष मेक्सिको पर मादक पदार्थों की जब्ती बढ़ाने का दबाव बनाया था। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने अपने पूर्ववर्ती की तुलना में मादक पदार्थ गिरोहों के खिलाफ अधिक आक्रामक रुख अपनाया है, जिसमें दर्जनों तस्करी आरोपियों को अभियोजन के लिए अमेरिका भेजना शामिल है। हालांकि, शीनबाम ने कैरेबियाई सागर और प्रशांत महासागर में संदिग्ध नौकाओं के खिलाफ अमेरिकी सैन्य हमलों पर असहमति भी जताई है। पिछले सितंबर से अमेरिका द्वारा तथाकथित नार्को-आतंकवादियों को निशाना बनाए जाने के बाद से ऐसे हमलों में कम से कम 145 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका में 57 वर्षीय सिख व्यक्ति का अपहरण

न्यूयॉर्क, भाषा। कैलिफोर्निया के सैन जोकिन काउंटी के ट्रेसी इलाके से 57 वर्षीय सिख व्यक्ति का कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पर किए गए पोस्ट में पीड़ित की पहचान अवतार सिंह के रूप में की है, जिनकी लंबाई पांच फुट सात इंच है और वजन लगभग 200 पाउंड है। घटना के समय उन्होंने हल्के रंग के पारंपरिक सिख वस्त्र पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि निगरानी फुटेज में मंगलवार को अपराह्न लगभग ढाई बजे (स्थानीय समयानुसार) सिंह को गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्ति एक सफेद एसयूवी में बिठाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने बताया कि फुटेज से प्रतीत होता है कि पीड़ित अपनी मर्जी के बिना कार में बैठा। पुलिस ने बताया कि जांच अधिकारी मामले की गहन छानबीन कर रहे हैं। पुलिस ने कहा, फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह एक अलग घटना प्रतीत होती है और समुदाय को किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने घटना से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी रखने वाले व्यक्ति को उनसे संपर्क करने का आग्रह किया है।

इजराइल भारत समेत अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन मजबूत कर रहा: नेतन्याहू

» यरुशलम, भाषा।

भारत को बेहद शक्तिशाली बताते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन मजबूत कर रहा है। उन्होंने अगले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित यरुशलम यात्रा का उल्लेख करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री मोदी के 25 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर इजराइल पहुंचने की उ मीद है, जिस दौरान वह संभवतः नेसेट (संसद) को संबोधित करेंगे तथा नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे। नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को यरुशलम से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण में स्थित बह्रद। (आईडीएफ अधिकारी स्कूल) में इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के कैडेट के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल बुराई के खिलाफ निवारक उपाय करता है और इसलिए, क्षेत्र में खतरों को बेअसर करने के लिए,

आवश्यकतानुसार, समय-समय पर कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, हम अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाएंगे। अगले सप्ताह एक बेहद शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री, इजराइल का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, और निश्चित रूप से, आप जानते हैं कि कुछ दिन पहले मैं एक और महत्वपूर्ण दौरे से लौटा हूं, जो राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद से सातवां दौरा था, जहां मैंने इजराइल के सबसे पक्के मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया, हाल में प्रकाशित अमेरिकी सुरक्षा सिद्धांत में, इजराइल दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसे अमेरिका आदर्श सहयोगी बताता है। रविवार को, नेतन्याहू ने प्रमुख अमेरिकी-यहूदी संगठनों के अध्यक्षों के स मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, संसद को संबोधित करने की तैयारी चल रही है। अगले हफ्ते यहां कौन आ रहा है? नरेन्द्र मोदी। नेतन्याहू ने कहा, इजराइल और भारत के बीच एक मजबूत गठबंधन है, और हम हर तरह के सहयोग पर चर्चा करने जा रहे हैं। अब, आप जानते हैं, भारत कोई छोटा देश नहीं है। इसकी आबादी 1.4 अरब है। भारत बेहद शक्तिशाली और बेहद लोकप्रिय है। यह इजराइल की मोदी की दूसरी यात्रा होगी। पहली यात्रा जुलाई 2017 में हुई थी, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा यहूदी राष्ट्र की पहली यात्रा थी।

दक्षिण कोरिया : पूर्व राष्ट्रपति एओल उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद भी अपने रुख पर अडिग

सियोल, भाषा। दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक एओल ने सियोल की एक अदालत द्वारा विद्रोह के लिए सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा पर शुक्रवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह अपने रुख पर अडिग हैं। एओल के वकीलों

द्वारा जारी बयान के मुताबिक उनके मुवक्किल ने कहा कि दिसंबर 2024 में सैन्य कानून (मार्शल लॉ) लागू करने की उनकी अचानक और अल्पकालिक घोषणा पूरी तरह से राष्ट्र और हमारे लोगों के हित में थी। एओल ने सियोल केंद्रीय जिला न्यायालय को पक्षपाती बताया। एओल को सत्ता पर कब्जा करने के उनके असफल प्रयास के मद्देनजर पैदा हुए राजनीतिक संकट के बीच पद से हटा दिया गया था। अभियोजकों ने तख्तापलट के प्रयास और अन्य आरोपों सहित आठ आपराधिक मामलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए हफ्तों तक खुद को राष्ट्रपति आवास में बंद रखा, गिरफ्तारी के बाद जांचकर्ताओं के साथ सहयोग नहीं किया और अदालती तारीखों पर पेश नहीं हुए, साथ ही जब वे पेश हुए तो गवाहों के साथ झड़प की। दक्षिण कोरिया की अदालत ने बृस्पतिवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक एओल को दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू करने का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। न्यायाधीश जी कुई-यून ने कहा कि उन्होंने एओल को नेशनल असेंबली (संसद) पर अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास के तहत सेना और पुलिस बल को जुटाने, नेताओं को गिरफ्तार करने और कुछ समय तक निरंकुश शासन स्थापित करने का दोषी करार दिया।

पोलैंड ने सुरक्षा के लिए रूस से लगती सीमा पर बिछाएगा बारूदी सुरंग, अंतरराष्ट्रीय संधि से तोड़ा नाता

वॉरसॉ, भाषा। पोलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर रूस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर बारूदी सुरंग बिछाएगा। यह जानकारी देश के उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने शुक्रवार को को दी। पोलैंड विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौते से आधिकारिक तौर पर अलग हो गया है। वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी गई थी, जिसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला और बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई। पोलैंड ने 2012 में इसकी पुष्टि की थी और 2016 में अपने सभी बारूदी सुरंग नष्ट कर दिए थे। हालांकि शुक्रवार को उसने संधि से हटने की घोषणा करते हुए कहा कि वह इन हथियारों का निर्माण फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है। जालेव्स्की ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, ए बारूदी सुरंग नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के पूर्वी हिस्से में, पोलैंड के उत्तर में रूस के साथ और पूर्व में बेलारूस के साथ लगती सीमा पर लगाई जाएंगी। हम रक्षा संरचना का निर्माण कर रहे हैं,जिसमें यह प्रमुख तत्वों में से एक है। उन्होंने कहा कि पोलैंड को रूस से अपना बचाव करने की जरूरत है। जालेव्स्की ने कहा, रूस एक ऐसा देश है जिसके अपने पड़ोसियों के प्रति बहुत आक्रामक इरादे हैं और जिसने खुद कभी अंतरराष्ट्रीय बारूदी सुरंगों पर प्रतिबंध संधि के प्रति प्रतिबद्धता नहीं जताई है।

सऊदी अरब ने परमाणु संपन्न पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौते पर दस्तखत किए थे

प्रस्तावित परमाणु समझौते के तहत यूरेनियम संवर्धन का प्रयास कर सकता है सऊदी अरब : विशेषज्ञ

» दुबई , भाषा।

अमेरिका के साथ प्रस्तावित परमाणु समझौते के तहत सऊदी अरब यूरेनियम संवर्धन का प्रयास कर सकता है। परमाणु अप्रसार की दिशा में काम करने वाले एक विशेषज्ञ समूह ने इस बात की आशंका जताई है। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडन ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी को साझा करने के लिए सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौता करने की कोशिश की। परमाणु अप्रसार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि सऊदी अरब के भीतर किसी भी संवेदीपयूज के सक्रिय होने से देश के लिए एक संभावित हथियार कार्यक्रम के दरवाजे खुल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के युवराज ने भी संकेत दिए हैं कि अगर ईरान परमाणु बम

विकसित कर लेता है, तो उनका देश भी एटमी हथियार हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। पिछले साल इजराइल के हमास पदाधिकारियों को निशाना बनाकर कतर पर हमला करने के बाद सऊदी अरब ने परमाणु संपन्न पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौते पर दस्तखत किए थे। उस समय पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा था कि जरूरत पडने पर उनके देश की परमाणु प्रौद्योगिकी सऊदी अरब को उपलब्ध कराई जाएगी। इसे इजराइल के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा गया था, जिसे लंबे समय से पश्चिम एशिया का एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश माना जाता है। वाशिंगटन स्थित हथियार नियंत्रण संघ में अप्रसार नीति की निदेशक केल्सी डेवनपोर्ट ने कहा, परमाणु सहयोग अप्रसार मानदंडों को बनाए रखने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक सकारात्मक तंत्र हो सकता है, लेकिन असली चुनौती बारीकियों में छिपी है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब के साथ प्रस्तावित परमाणु सहयोग समझौते से उत्पन्न परमाणु प्रसार संबंधी जोखिमों या इस समझौते से कायम होने वाली मिसाल के बारे में सावधानीपूर्वक नहीं सोचा है। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com